ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2020

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

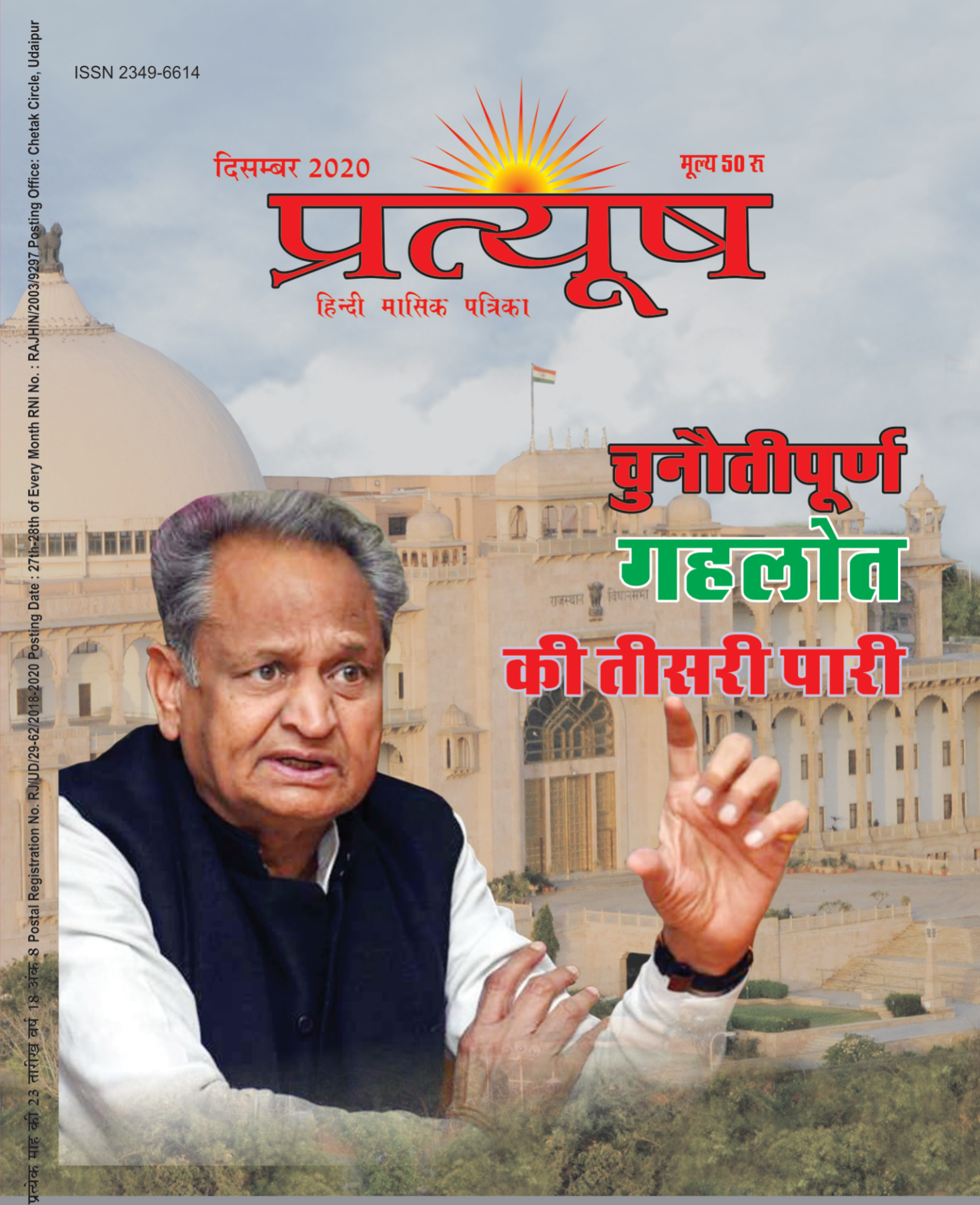

चुनौतीपूर्ण गहलोत की तीसरी पारी

– कोरोना महामारी के नियंत्रण में माइक्रो मैनेजमेन्ट और कौशल की हुई सर्वत्र सराहना

– महामारी से उत्पन्न विकट आर्थिक परिस्थितियों से उबरना बड़ी चुनौती

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 18 अंक 8 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Retail Revolution)

शुद्धता | विश्वसनीयता | गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में उत्तरी भारत का सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है

सुपरमार्केट की नियमित स्कीम

1 किलो शक्कर आधी कीमत पर **Rs. 1500** की खरीद पर

या

1 किलो शक्कर मुफ्त **Rs. 2500** की खरीद पर

या

1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त **Rs. 3500** की खरीद पर

समस्त उत्पाद (M.R.P.) से कम दरों पर, 5 प्रतिशत की छूट

समस्त नहाने के साबुन/कपड़े धोने के साबुन /समस्त डिसवॉश बार/बिस्किट पर

510 रु. जमा करा कर भण्डार के सदस्य बनकर 1 प्रतिशत छूट एवं अनेक स्कीम का लाभ उठायें

101 रु. का सामान प्रतिमाह जीवनभर मुफ्त
(10 हजार जमा योजना अंतर्गत भण्डार में 10 हजार से 80 हजार तक जमा कराते हुए 101 से 808 रु. तक का सामान प्रतिमाह मुफ्त पाये)

0.50% की छूट केशलेस खरीद पर
समस्त 17 सुपरमार्केट, 34 सहकारी दवाघर तथा 5 छोटी जनरल-ग्रोसरी शाखाओं कुल 56 शाखाओं पर यह सुविधा प्रदान की जा रही है

www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाईन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रू. करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रू. जमा है वे 400 रू. और जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें। (शर्ते लागू)

अश्विनी कुमार वशिष्ठ
प्रशासक

आशुतोष भट्ट
महाप्रबंधक

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

वीक रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक-संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

दिसम्बर
2020
वर्ष 18, अंक 8

प्रत्यूष

अन्दर के पृष्ठों पर...

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

क्रिसमस
अन्तर्मन में फैलाए प्रेम का प्रकाश
10

आर्थिक सुरक्षा
समझदारी से करें जीवन बीमा में निवेश
19

उपलब्धि
भारत को हाइपरसोनिक शक्ति हासिल
26

दवा उद्योग
देश में बढ़ेगी सस्ती दवाओं की उपलब्धता
32

वास्तु विज्ञान
दक्षिण-पश्चिम में हो मुखिया का शयन कक्ष
40

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

With Best Compliments

HYUNDAI

CRETA

Signature cascading grille

Trio beam LED headlamps with crescent glow LED DRLs

R17 diamond cut alloys

Welcome function with auto unfold ORVM's & puddle lamps

Twin tip exhaust (turbo only)

LED tail lamps

The Next Gen
VERNA

Dark chrome front radiator grille

Full LED headlamps

LED tail lamps

Glossy black front radiator grille (turbo)

Sporty bumper design (turbo)

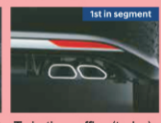

Twin tip muffler (turbo)

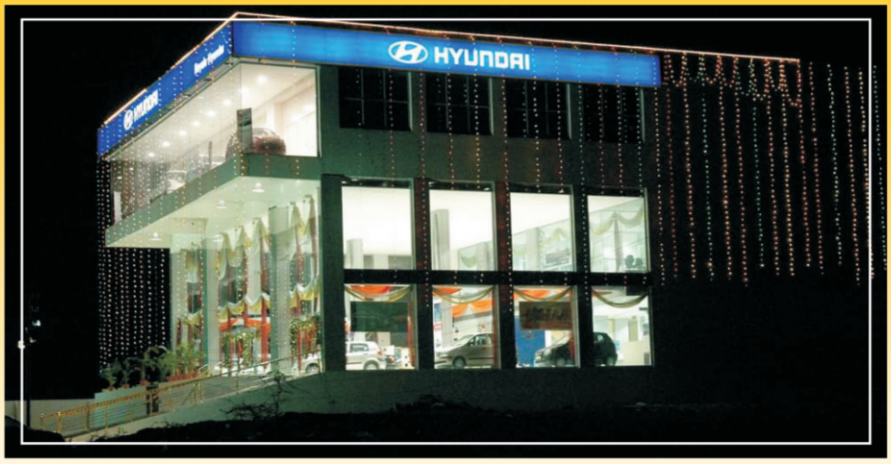

Royale Hyundai

15-A, Transport Nagar, Goverdhan Vilas, Near Bypass
Udaipur - 313001 Tel.: 91-294-2640452 to 54 Mob.: 9782985551
Email: sales@royalehyundai.com Website: http://royale.hyundaimotor.in

सख्त अनुशासन से ही होगा कोरोना पर नियंत्रण

कोरोना महामारी ने सारे विश्व की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे को हिला कर रख दिया है। पिछले वर्ष नवंबर 2019 से शुरू हुई कोरोना महामारी साल 2020 पूरे होने के बावजूद भी थमने का नाम नहीं ले रही है। एक लहर पूरी होने के बाद संभावना बनी थी कि कोरोना खत्म हो जाएगा किंतु नवंबर 2020 के प्रारंभ से कोरोना की दूसरी लहर के संकेत मिल रहे हैं। शीत ऋतु में वायरस के अधिक समय तक सक्रिय रहने के कारण भी मरीजों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसके साथ ही मरीजों के ठीक होने की संख्या भी बढ़ रही है।

महामारी की शुरूआत से लेकर अब तक लोगों की सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति में भी बड़ा बदलाव आया है। स्वच्छंद जीवन जीने वाले लोगों की जिंदगी का दायरा बहुत सीमित गया है। विश्व की आर्थिक महाशक्तियों को भी वैश्विक महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण स्थितियों से गुजरना पड़ रहा है। पूरा विश्व इस बीमारी से लड़ने हेतु वैक्सीन की खोज में लगा हुआ है। वैक्सीन के नतीजों से लोगों को उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। आशा है बहुत जल्द लोगों को इस बीमारी से पूरी तरह से निजात मिल सकेगी। हालांकि जब तक वैक्सीन के नतीजे प्रमाणिक परीक्षणों पर खरे नहीं उतरते तब तक हमें इसका इंतजार करना होगा। इस दौरान हमें अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी। पिछले कुछ समय से पीड़ित रोगियों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि दिखाई दे रही है। जब तक वैक्सीन अपने परीक्षण में पूरी तरह सफल नहीं होती तब तक हम सभी को मिलकर इस बीमारी को नियंत्रित करने के पूरे प्रयास करने होंगे। बेवजह घर से निकलने की लोगों की आदतों पर सरकारों को और अधिक सख्ती दिखानी होगी।

कोरोना महामारी के कारण देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को भी गहरा आघात पहुंचा है। लोग ठीक से अपना जीवन यापन कर सकें इस वजह से भविष्य में सरकार की पूर्ण लॉकडाउन की संभावना दिखाई नहीं देती। सरकारें इस बीमारी को नियंत्रित करने में दिन-रात लगी हुई है। वहीं पटरी से उतरी हुई अर्थव्यवस्था को भी पुन: पटरी पर लाने की कोशिश लगातार जारी है। कोरोना पर अंकुश पाने के लिए सरकार अपने स्तर पर सुनियोजित ढंग से प्रयास कर रही है। अस्पतालों में समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। डॉक्टरों व पैरामेडिकल कर्मचारियों को मुस्तैद करने और त्वरित इलाज करने को कहा गया है। निजी अस्पतालों को भी निर्धारित शुल्क पर कोरोना इलाज के लिए अधिकृत कर सूची जारी की है। आपातकाल से निपटने के लिए मुख्यमंत्री निरंतर बैठकें कर हिदायतें दे रहे हैं और केंद्र सरकार की गाइडलाइन को फॉलो करने की व्यापक व्यवस्था का अवलोकन कर रहे हैं।

पिछले दिनों राज्य स्तर पर संक्रमित मरीजों की संख्या में अचानक जो इजाफा हुआ उसने सरकार को चिंता में डाल दिया है। सरकार अपने स्तर पर सभी प्रकार के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। आम जनता के लिए मास्क पहनना, सैनिटाइजर, 2 गज दूरी जैसी कई गाइडलाइन जारी की है और वरिष्ठ नागरिकों को बेवजह घर से बाहर न निकलने की हिदायतें भी दी है। स्थिति को कारगर ढंग से निपटने के लिए कई शहरों में धारा 144 व रात्रिकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

महामारी के कारण लाखों लोगों ने अपने परिवार जनों को असमय खोया हैं। सम्भवत: बीमारी से निजात जल्द मिल जाए परंतु अपनों को खोने का गम उन्हें जिंदगी भर रहेगा। ऐसी विकट स्थिति में हर नागरिक का यह दायित्व बन जाता है कि वह सरकार को सहयोग करते हुए उनके द्वारा जारी दिशानिर्देशों की पालना में सहयोग करें। सरकार जो कुछ भी सख्त कदम उठा रही है उनमें आखिर भला जनता का ही है। यहां सकारात्मक सोच रखते हुए सरकारी आदेशों-कार्यक्रमों की पालना करें।

सरकार कोरोना मरीजों के इलाज के लिए हरसंभव सुविधाएं जुटा रही है। लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है सरकार के दिशा-निर्देशों का आम जनता ईमानदारी से पालन करें। हमें अपनी व्यवस्था को लेकर और अधिक सचेत और चौकन्ना रहना होगा। हमारी छोटी सी लापरवाही अकारण सरकार पर भार नहीं बन जाए, इस बात को ध्यान में रखते हुए बचाव के लिए आयुर्वेदिक काढ़े का नियमित प्रयोग करें। फ्रीज में रखी ठंडी वस्तुएं न खाएं, गर्म पानी पिए। काली मिर्च, लॉन्ग, अदरक, तुलसी, तेजपत्ता व इलायची, सूंठ की बनी चाय का नियमित सेवन करें। नींबू, संतरा नियमित खाएं और अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए। अनुलोम-विलोम जैसे हल्के और आरामदायक प्राणायाम व्यायाम करें। पौष्टिक आहार लें। भरपूर 8 घंटे तक नींद लें और घर पर रहें, सुरक्षित रहें। यही राज्य और देश के लिए सबसे बड़ा सहयोग होगा।

सही मायनों में देश के लोगों के लिए राष्ट्रभक्ति साबित करने का सही समय है। हम सभी को यह दिखाना होगा कि हमें देश के हर नागरिक की उतनी ही परवाह है जितनी की अपने परिवार के सदस्य की। आशा है 2021 हम सभी के लिए सुखद समाचार लाने वाला साबित होगा। प्रत्यूष सभी पाठकों से भी आशा करती है कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए जागरूक रहकर अपने व अपने परिवार का ख्याल रखें।

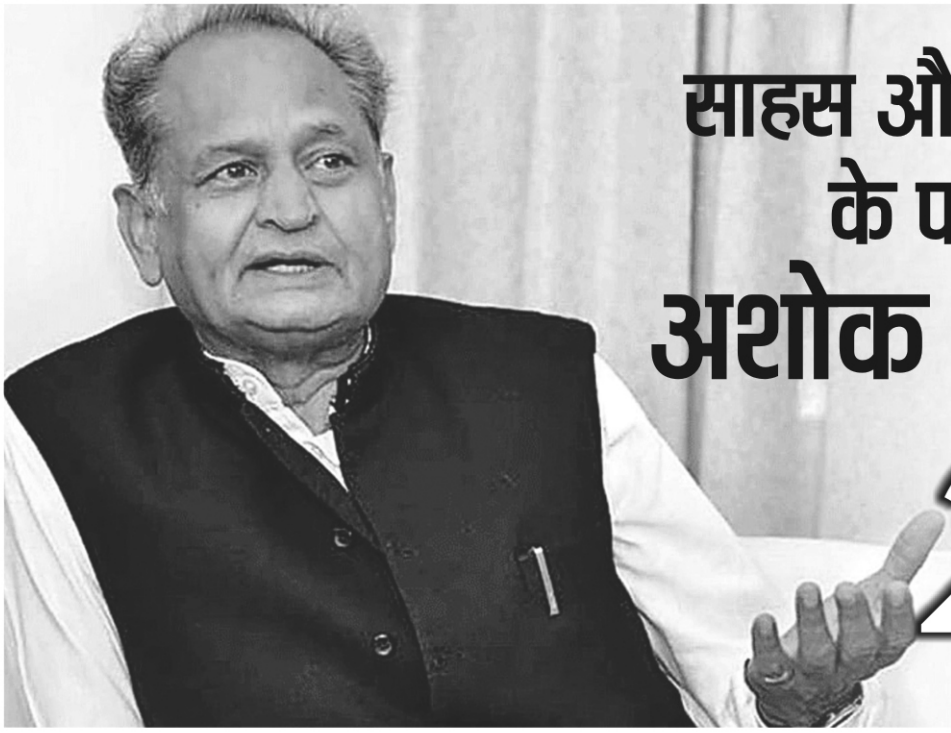

साहस और संवेदना के पर्याय अशोक गहलोत

2 तीसरी पारी के सफल दो साल

– पंकज कुमार शर्मा

कोरोना से मुकाबले और हराने की तैयारी में जो माइक्रो मेनेजमेंट और कौशल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान ने दिखाया है उसकी चर्चा देश में ही नहीं दुनियाभर में हुई है। ''भीलवाड़ा मॉडल'', ''जयपुर मॉडल'' के बाद अब दुनियाभर में ''राजस्थान मॉडल'' की सराहना की जा रही है।

कोरोना महामारी विश्व के लिए एक नई चुनौती है जिसे सदी की चुनौती कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं! लेकिन इस चुनौती को स्वीकार कर इससे मुकाबले और हराने की तैयारी में जो माइक्रो मेनेजमेंट और कौशल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान ने दिखाया है उसकी चर्चा देश में ही नहीं दुनियाभर में हुई है। ''भीलवाड़ा मॉडल'', ''जयपुर मॉडल'' के बाद अब दुनियाभर में ''राजस्थान मॉडल'' की सराहना की जा रही है।

ग्लोब के अलग-अलग हिस्सों और महाद्वीपों से राजस्थान लौटे प्रवासी राजस्थानी बताते हैं कि विदेश में रहकर भी नजर भारत और राजस्थान पर रहती थी। सोशल मीडिया, वेबसाइट्स एवं टीवी चैनल्स से लगातार जानकारी मिलती रहती थी कि किस तरह कई देशों की आबादी से ज्यादा आबादी और कई देशों के क्षेत्रफल से ज्यादा क्षेत्रफल वाले राजस्थान में इस महामारी से मुकाबला किया जा रहा है।

राज्य ने कोरोना के इलाज के लिए चार दवाओं की सहायता से स्वयं विकसित किए गए चिकित्सा प्रॉटोकॉल, बेहतर क्वारंटीन फेसिलिटी एवं प्रबन्धन, कोरोना जांचों के लिए अपनाए गए मॉडल, श्रमिक, दिहाड़ी मजदूरों और हर जरूरतमंद के लिए लागू किए गए राहत पैकेज, लॉकडाउन से पहले एवं लॉकडाउन के बाद में उठाए गए कदमों से बड़ी राहत मिली। ''कोई भूखा नहीं सोए, पशु-पक्षियों में भी जान है, किसी को नौकरी से नहीं निकाला जाए, श्रमिक कैम्पों की स्थापना, श्रमिक स्पेशल निःशुल्क बस सेवा'' जैसे कई प्रयासों की निगरानी स्वयं मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्तरों पर की। वे प्रतिदिन समीक्षा बैठकों और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के हर छोटे-बड़े शहर एवं ग्रामीण अंचल पर नजर बनाए हुए थे और हैं और आज भी एक-एक विषय पर बारीकी से निर्णय किया जा रहा है। साथ ही कोरोना वॉरियर्स जैसे डॉक्टर्स, पैरा मेडिकल स्टाफ प्रशासन, पुलिस, स्वच्छताकर्मी, शिक्षक, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी, अन्य सरकारी कर्मी, सामाजिक संगठन, भामाशाह, वार्ड पंच से लेकर मंत्री तक के जनप्रतिनिधियों, मीडिया एवं जनसम्पर्ककर्मियों की उन्होंने लगातार सराहना करते हुए महामारी से प्रभावी मुकाबले की रणनीति लागू की। इसी का नतीजा है कि लगभग 75 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं और एक्टिव केसेज की संख्या मात्र 2641 ही बची है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा की इस मामले में पीठ थपथपाई जानी चाहिए।

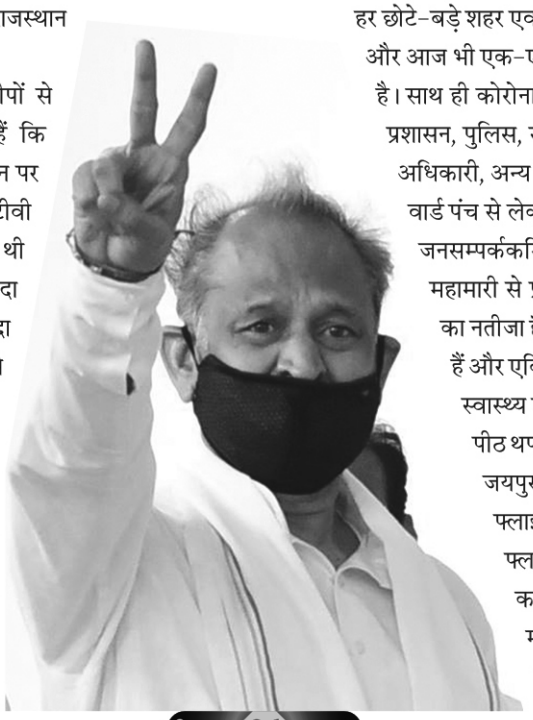

जयपुर हवाई अड्डे पर 22 मई से 4 अप्रेल तक 18 फ्लाइट्स में 2357 लोग राजस्थान पहुंचे। ये फ्लाइट्स कजाकिस्तान, कुवैत, जॉर्जिया, टोरंटो, कनाडा, तजाकिस्तान, यूक्रेन, दुबई, मस्कट, मनीला एवं मास्को से राजस्थानवासियों को लेकर यहां आई।

सामाजिक सरोकार

पुलिस का मुख्य दायित्व है कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखना। यह सुखद है कि राजस्थान पुलिस कानून व्यवस्था बनाये रखने, अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ जैसे दिन-प्रतिदिन कार्यों के निस्तारण के साथ ही सामाजिक सरोकारों से कार्यों के प्रति भी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बेघर बेसहारा व्यक्तियों एवं भिक्षावृति से आजीविका चलाने वालों के पुर्नवास, मृत्युभोज जैसी कुप्रथा के निवारण के साथ ही नशीले पदार्थों के विरूद्ध अभियान आदि समाज उपयोगी कार्यों में भी राजस्थान पुलिस सक्रिय भूमिका निभा रही है।

कोरोना काल के दौरान पुलिस कर्मियों ने आमजन को भोजन सामग्री व दवाईयां आदि उपलब्ध करवाने के साथ ही अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाकर अपने मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया। वंचित वर्ग, श्रमिकों, बुजर्गों व बच्चों के प्रति संवेदनशीलता से किये गये कार्यो की व्यापक स्तर पर प्रशंसा भी हो रही है।

इसी प्रकार अतिवृष्टि की परिस्थितियों में भी राज्य आपदा राहत बल द्वारा उल्लेखनीय बचाव कार्यों की भी सराहना हुई है। पुलिस बल की विभिन्न जिला इकाई द्वारा भी अपने-अपने स्तर पर बेघरों के पुर्नवास, वंचित वर्ग की मदद, मृत्युभोज जैसी कुरीतियों की रोकथाम एवं नशीली वस्तुओं के रोकथाम जैसे कार्यों में अभिनव प्रचार कर रही है।

पुलिस बल की विभिन्न जिला इकाई द्वारा भी अपने-अपने स्तर पर बेघरों के पुर्नवास, वंचित वर्ग की मदद, मृत्युभोज जैसी कुरीतियों की रोकथाम एवं नशीली वस्तुओं के रोकथाम जैसे कार्यों में अभिनव प्रचार कर रही है।

भिखारियों का सर्वेक्षण

इस कड़ी में मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयुक्तालय जयपुर में भिक्षावृति से आजीविका चलाने वाले बेसहारा, अशिक्षित, बेरोजगार और दिव्यांग महिलाओं, बच्चों के पुर्नवास के लिये योजना बनायी गयी। योजनानुसार भिखारियों के सर्वेक्षण हेतु जिलेवार टीम गठित कर जिला उत्तर में 248, जिला दक्षिण में 298, जिला पूर्व में 330 तथा जिला पश्चिम में 286 कुल 1162 भिखारियों को पुर्नवास हेतु चिन्हित किया। इनमें 939 पुरूष और 223 महिला शामिल है। इनमें 264 व्यक्ति गम्भीर बीमारियों से पीडित और दिव्यांगजन भी शामिल थे।

सर्वेक्षण के दौरान सादा वस्त्रधारी सर्वेक्षण टीमों ने भिखारियों को मास्क, चप्पल, बिस्किट पैकेट्स, सेनेटरी नैपकिन्स, भोजन एवं ब्रेड के पैकेट्स आदि सामान का वितरण भी किया। स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर पुलिस आयुक्तालय ने समाज कल्याण विभाग व एनजीओ के सहयोग से वृद्ध, दिव्यांग, गम्भीर बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को एकत्र कर तथा 15 से 20 दिनों तक रखकर उनके बालों की कटिंग करवायी तथा वस्त्र आदि उपलब्ध करवाने के साथ ही मेडिकल चैकअप करवाया गया। मेडिकल चैकअप के दौरान कुछ भिखारियों के कोरोना पॉजीटिव आने पर पुर्नवास के कार्यक्रम को उनके

इन्दिरा मातृत्व पोषण

मुख्यमंत्री ने नवम्बर में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी को समर्पित 'इन्दिरा मातृत्व पोषण' योजना की गर्भवती महिलाओं को सौगात दी। जिसके तहत उनके प्रसवकाल में 6 हजार रूपये की सहायता दी जाएगी।

स्वस्थ होने तक रोक दिया गया। कोरोना संक्रमण के मध्यनजर आवश्यक सावधानियों के साथ 23 सितम्बर से एकत्रित भिखारियों का पुर्नवास कार्यक्रम पुन: प्रारम्भ किया जा रहा है। भिक्षावृति सर्वे के अनुसार भिखारियों को उनके कौशल के अनुसार काम सिखाने व उनकी योग्यता के अनुसार कार्य दिलाये जाने की एनजीओ की सहायता ली जा रही है।

ऑपरेशन क्लीन स्वीप

ऑपरेशन क्लीन स्वीप के अन्तर्गत स्वयं सेवी संगठनों, निजी संस्थानों, मीडिया समूहों तथा विशेषज्ञों के सहयोग से ड्रग्स प्रभावित क्षेत्रों, युवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों में नशे व मादक पदार्थों के विरूद्ध जागरूकता के लिए व्यापक अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। इस अभियान में पुलिस अधिकारियों, चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के एक दल द्वारा सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं ड्रग्स प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान से जागृत करने के साथ ही मादक पदार्थों की सप्लाई करने वालों की सूचना को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। थानाधिकारी से लेकर बीट कॉन्स्टेबल तक उनके क्षेत्र में स्थित नशे के आदी लोगों को चिन्हित कर नशा मुक्ति एवं पुर्नवास हेतु सरकारी एवं एनजीओ की मदद से उन्हें सामान्य जीवन में लाने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक 343 प्रकरण दर्ज कर 442 तस्करों व पैडलरों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 58 महिलाएं भी शामिल है। गिरफ्तार व्यक्तियों से करीब 25 लाख रूपये नकद एवं तस्करी में प्रयुक्त 73 वाहन बरामद किये गये। इस ऑपरेशन के दौरान जब्त किये गये मादक पदार्थों में गांजा, अफीम, चरस, स्मैक, डोडा पोस्त, कोकीन व एमडीएमए, ब्राउन शुगर एवं एलएसडी (लिसर्जिक एसीड डाईएथिलेमाइड) ड्रग्स, कोडैक्स फॉस्फेट सीरप आदि प्रमुख है। ऑपरेशन ''क्लीन स्वीप'' के तहत जयपुर में गांजा 32 क्विंटल 50 किलो, डोडा पोस्त छिल्का 3 क्विंटल 22 किलो, अफीम 16 किलोग्राम 603 ग्राम, चरस 3 किलोग्राम 723 ग्राम, स्मैक 696 ग्राम, ब्राउन शुगर 18 ग्राम, कोकीन 26 ग्राम व एमडीएमए 88 ग्राम, एलएसडी ड्रग्स 140 मिलीग्राम, भांग 1 किलो 955 ग्राम, ट्रोमाडोल व एप्राजोल मेडिसन (ड्रग्स) 2612 एवं कोडेन फॉस्फेट कुल 134 सीरप बरामद किये जा चुके हैं।

निर्बाध पंजीकरण

मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश में प्रारंभ की गई निर्बाध पंजीकरण व्यवस्था से राजस्थान पुलिस द्वारा महिलाओं और बालिकाओं सहित समाज के कमजोर वर्ग के व्यक्ति की सुगमता से सुनवाई सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही उनके परिवाद दर्ज कर न्याय दिलाने के लिए त्वरित और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर विशेष बल दिया जा रहा है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रदेश में महिला अत्याचारों के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2019 के अंत तक प्रदेश में महिला अत्याचारों से संबंधित प्रकरणों में से लगभग 92 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है।

हालांकि पुलिस थानों में मामलों के निर्बाध पंजीकरण की नीति से समग्र रूप से दर्ज अपराधों की संख्या में वृद्धि हुई है लेकिन निर्बाध पंजीकरण की नीति से समाज के कमजोर वर्ग के व्यक्तियों का परिवाद दर्ज कराने का हौसला और पुलिस की कार्यवाही में विश्वास निरंतर बढ़ रहा है। इसका प्रमाण है कि दुष्कर्म के प्रकरणों में पूर्व में 30 प्रतिशत से भी ज्यादा प्रकरण पुलिस के बजाय कोर्ट के माध्यम से दर्ज होते थे लेकिन अब इनकी संख्या में कमी आई है और लगभग 13 प्रतिशत प्रकरण ही कोर्ट के माध्यम से दर्ज हो रहे हैं।

प्रदेश में महिला अत्याचार व अपराध को रोकने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रत्येक जिले में पुलिस उप अधीक्षक स्तर के अधिकारी को लगाकर महिला अपराध अनुसंधान इकाइयों का गठन किया गया है। जघन्य अपराधों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के लिए पुलिस मुख्यालय की सीआईडी सीबी के तहत हीनियस क्राइम मॉनिटरिंग यूनिट का भी गठन किया गया है। पुलिस मुख्यालय तथा संभाग मुख्यालयों पर महिला अपराध अनुसंधान इकाइयां एवं हीनियस क्राइम मॉनिटरिंग यूनिट महिलाओं व जघन्य अपराधों के प्रकरणों में न्यायालय में साक्ष्यों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कर अपराधियों को सजा दिलाया जाना भी सुनिश्चित कर रही है। अलवर जिले में हुई आपराधिक घटनाओं की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए अलवर जिले को कानून व्यवस्था की दृष्टि से 2 पुलिस जिलों में विभाजित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अलवर जिले के थानागाजी गैंगरेप प्रकरण में प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अनुसंधान अधिकारी और उनकी टीम ने प्रकरण में एफएसएल एवं साइबर सेल की सहायता से तथ्य जुटाकर त्वरित अनुसंधान की कार्यवाही कर मात्र 16 दिन में अनुसंधान का कार्य पूर्ण कर इसे न्यायालय में पेश कर दिया। प्रकरण में न्यायालय द्वारा प्रतिदिन सुनवाई की गयी। अभियोजन पक्ष द्वारा पर्याप्त संख्या में गवाहों के बयान करवाए गए और आवश्यक सभी साक्ष्य दस्तावेज एवं आर्टिकल प्रदर्शित किए गए। इस मामले में की गई प्रभावी कार्यवाही के परिणाम स्वरुप बहुत कम समय मे ही सुनवाई पूर्ण होकर अपराधियों को दंडित किया गया।

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

दीपावली

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

अन्तर्मन में फैलाएं प्रेम का प्रकाश

पूनम बर्त्वाल

आज जब तेजी से मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है, लोग संवेदनहीन होकर बस अपने बारे में सोचते हैं, दूसरों के दु:ख-तकलीफ से उनका कोई सरोकार नहीं रह गया है, ऐसे में प्रभु यीशू का सबसे प्रेम करने का संदेश और ज्यादा अर्थवान हो जाता है। वे हर संदेश में जीवन को सही रूप में जीने का मार्ग दिखाते है, वो मार्ग जो हमें खुशहाल बनाता है।

क्रिसमस प्रभु यीशू के जन्म का उत्सव है। अपने संग ढेर सारी खुशियां लाता है यह पर्व। साथ ही उनके संदेशों को जानने-समझने और आत्मसात करने के लिए प्रेरित भी करता है। ये संदेश अज्ञानता के अंधकार में प्रकाशपुंज के समान है। अगर हम यीशू के संदेशों का गहन अर्थ समझ लें, तो संसार में हर तरफ अमन-चैन होगा, आपस में सभी प्रेमपाश में बंधे होंगे। सबके जीवन में खुशियां ही खुशियां होंगी। एक दृष्टि प्रभु यीशू के उन संदेशों पर जो जीवन के लिए नितांत आवश्यक हैं, जिनके पालन का अर्थ है प्रभु में विश्वास, मानवता में विश्वास।

सबसे करो प्रेम

यीशु अपने संदेशों में प्रेम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। उनके लिए प्रेम ही जीवन का आधार है। उनका संदेश है, विश्वास, आशा, प्रेम ये तीनों स्थायी हैं, लेकिन इन में सब से बड़ा प्रेम है। इसे संदेश के माध्यम से वह हमें प्रेम की महत्ता का ज्ञान कराते हैं। यीशू स्वयं से प्रेम करने को तो कहते ही हैं, अपने दुश्मनों से भी प्रेम करने की सीख देते हैं। इस सबसे प्रेम करना सीख जाएंगे, तो नफरत के लिए हमारे हृदय में कोई स्थान नहीं होगा, ऐसा होने का मतलब है, शांतचित्त होना, सकारात्मक भावों से भर जाना। ऐसे में हम अपनी ऊर्जा को कल्याणकारी कार्यों में ही लगाएंगे, साथ ही परोपकारी भी बनेंगे। धीरे-धीरे हम दूसरों के कष्टों का हरण करने के लिए भी तत्पर होंगे, यही प्रभु यीशू के प्रति सच्ची आस्था है। यीशू ने हमेशा कहा, सबकी दु:ख-तकलीफ समझो और उसे दूर करने का प्रयास करो।

मानव सेवा सर्वोपरि

जहां प्रभु यीशू ने सबको एक-दूसरे से प्रेम करना सिखाया, वहीं मानव सेवा अर्थात् मानवता को सर्वोपरि माना। उन्होंने कमजोर-असहायों को गले लगाने, उनकी सहायता करने की सीख भी दी। यीशू अपने एक वचन में कहते हैं, 'तुम्हारे देश में दरिद्र तो सदा पाए जाएंगे, इसलिए मैं यह आज्ञा देता हूं कि तुम अपने देश में दीन-दरिद्र भाइयों को अवश्य दान देना।' इस संदेश में यीशू दान का महत्व समझाते हैं। समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने का मार्ग बताते हैं। हर व्यक्ति को भोजन मिले, जीवनयापन के लिए साधन मिले, यही प्रभु की इच्छा थी। आज उनका यह संदेश और भी अधिक अर्थवान हो जाता है, क्योंकि दुनिया भर में असमानता बढ़ी है। ऐसी स्थिति में यीशू के संदेश को अमल में लाना हमारा कर्तव्य बन जाता है। हम सभी को जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। यही कारण है कि क्रिसमस के दिन दान और उपहार देने की सदियों से परम्परा रही है, जिससे हर घर में खुशी आए। इसकी निरंतरता बनी रहे, इस प्रवास से हमेशा समाज में खुशहाली बनी रहेगी।

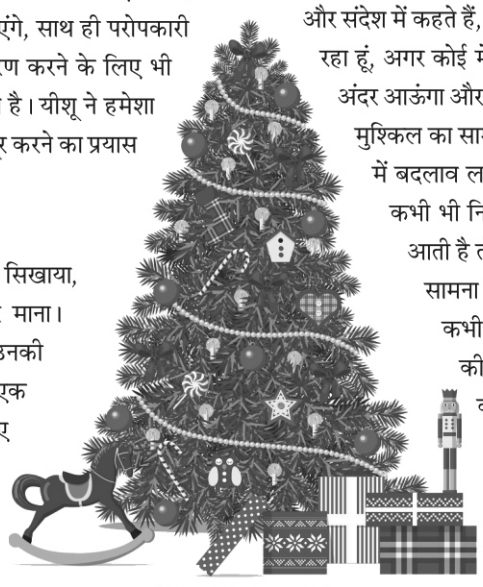

आशा-विश्वास पर टिका है जीवन

प्राय: देखा गया है कि जब मनुष्य विकट संकटों से घिर जाता है, तो उसका स्वयं पर भरोसा कम होने लगता है। वह निराशा के अंधकार में घिरने लगता है, वह बदलाव की कोशिश नहीं करता है। लेकिन जिन लोगों को यह भरोसा होता है कि ईश्वर उनके साथ है, उनकी हर मुश्किल को दूर करेगा, ऐसे लोग अपने आप पर भी भरोसा कर अपने संकटों का सामना करते हैं, बदलाव के लिए प्रयासरत भी होते हैं, सफलता भी अर्जित करते हैं। यीशू ने भी कहा था, 'अगर यह समझो कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, काल के अंत तक।' वे एक और संदेश में कहते हैं, ध्यान से देखो, मैं दरवाजे पर खड़ा होकर खटखटा रहा हूं, अगर कोई मेरी आवाज सुनाता है और दरवाजा खोलता है, मैं अंदर आऊंगा और उसका साथ दूंगा। इस तरह प्रभु, यीशू, सबको हर मुश्किल का सामना करने के लिए अथक प्रयास करने और जीवन में बदलाव लाने के लिए मनुष्य को आत्मबल देते हैं। इसलिए कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। अगर कोई विकट स्थिति आती है तो ईश्वर पर अपने आप पर भरोसा करते हुए उसका सामना करें, निश्चित ही स्थिति सुधरेगी, दिन बहुरेंगे। यह कभी न भूलें कि आशा-विश्वास पर ही खुशहाल जीवन की नींव टिकी हुई है।यीशू अपने हर संदेश में जीवन को सही रूप में जीने का मार्ग दिखाते है, वो मार्ग जो हमें खुशहाल बनाता है। आइए, हम इस क्रिसमस पर यीशू के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और राग-द्वेष से दूर अमन-चैन का संसार रचें।

शुद्ध शाकाहारी भोजन

रोशनलाल पालीवाल

हमारे यहां सभी तरह के शाकाहारी भोजन व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।

पालीवाल शिव भोजनालय

3, चेतक मार्ग, उदयपुर - 313001 (राज.)

Phone : 0294-2429014, Mobile : 94603-24836

पशु बलि के खिलाफ़ एक और पहल

चित्तौड़गढ़ जिले के हिंगवानिया ग्रामवासियों ने समाप्त की सदियों पुरानी क्रूर प्रथा

डॉ. दिलीप धींग

वर्ष 2019 में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में भूपालसागर क्षेत्र की गुंदली ग्राम पंचायत क्षेत्र के हिंगवानिया गाँव के बेड़च नदी तट पर स्थित चामुण्डा माता मन्दिर में पशुबलि की 675 वर्ष पुरानी क्रूर प्रथा को सदा-सदा के लिए खत्म कर दिया गया। इसी जिले में इस वर्ष (2020) के नवरात्रि पर्व समापन पर भी एक ऐसा ही करुणामय निर्णय किया गया है। जिले के ताणा पहाड़ स्थित चामुण्डा माता मंदिर में 700 वर्ष पुरानी पशुबलि परम्परा को सर्वसम्मति से समाप्त कर दिया गया। प्रशंसनीय यह है कि हिंगवानिया के पूर्व राज परिवार के सदस्यों सहित समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर पशुबलि की परम्परा को समाप्त करने का निर्णय लिया। बलि के लिए लाए गए भैंसे को तिलक व माला पहनाकर 'अमरिया' कर दिया गया यानी भैंसे को नहीं मारा गया, उसे जीवनदान देकर इस बलि परम्परा को हमेशा के लिए खत्म करने की घोषणा कर दी गई। मंदिर ट्रस्ट और माता के भक्तों ने यह जो स्वप्रेरित निर्णय लिया है, वह अभिनंदनीय है। इस प्रकार चित्तौड़गढ़ जिले में लगातार दूसरे वर्ष दो स्थानों पर माँ की आराधना का नवरात्रि पर्व माँ के बेटों के लिए नवजीवन देने वाला बन गया।

यह पहल पशु-पक्षी बलि निषेध कानूनों के सही अनुपालन में सहायक तो होगी ही लेकिन जहाँ कानून नहीं हैं, वहाँ भी कानून बनाने के लिए प्रेरक बनेगी। कानून के सही अनुपालन के साथ हमें लोगों को भी प्रशिक्षित करना चाहिये कि वे कुप्रथाओं के समापन में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएँ।

ज्ञातव्य है कि चित्तौड़गढ़ जिले में ही सन् 1974 में, विक्रम संवत् 2030 की चैत्री अमावस्या को जैन साध्वी यशकुँवर के मैत्रीपूर्ण प्रयासों से जोगणिया माता देवस्थान पर सदा-सर्वदा के लिए पशुबलि बन्द हो गई थी।

फलस्वरूप आज कल्याणकारी जोगणिया माता अहिंसा और मानवता की सेवा का विकसित तीर्थस्थल बना हुआ है। इसी जोगणिया माता के अहिंसा आंदोलन के फलस्वरूप राजस्थान में पशु-पक्षी बलि निषेध अधिनियम-1975 भी बना। राजस्थान के अलावा गुजरात, तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और केरल में भी पशु-पक्षी बलि निषेध अधिनियम बने हुए हैं। 2003 में तिरुचिरापल्ली मंदिर में लगभग डेढ़ हजार भैंसों की बलि हुई थी। तब तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाकर जिम्मेदार दोषी पुलिस अफसर को निलंबित भी किया था। तमिलनाडु में पशुबलि निषेध कानून के अंतर्गत उन्होंने बलि पर रोक हेतु लिखित नोटिस भी जारी किया था। लेकिन अफसोसजनक यह है कि देश में अनेक स्थानों पर आये दिन बेरोक-टोक धर्म और परम्परा के नाम पर पशु-पक्षियों की हत्याएं हो रही हैं।

उधर, जुलाई-2015 में नेपाल मंदिर न्यास ने भी युगांतरकारी निर्णय किया था कि अब से गढ़िमाई पर्व पर पशु-बलि नहीं होगी। वह परम्परा लगभग 300 वर्षों से चली आ रही थी। उस बलिप्रथा के कारण हर पाँचवें साल गढ़िमाई पर्व पर लगभग पाँच लाख निरीह पशु-पक्षियों (बकरे, भेड़, भैंसें, गौवंश, सुअर, कबूतर, मुर्गे, बतख आदि) को मौत के घाट उतार दिया जाता था। न्यास अध्यक्ष रामचंद्र शाह ने घोषणा की थी कि अब से प्रतिवर्ष संक्रांति पर होने वाले

फसल-उत्सव पर भी पशु-पक्षियों की बलि नहीं होगी। हिंसा-हत्या की बजाय शांतिपूर्ण पूजा और उत्सव का वक्त आ गया है। अब हमें पर्वों को जीवन के सम्मान का महत्वपूर्ण उत्सव बनाना चाहिये। इस प्रकार के कदम प्रकृति और संस्कृति के हितैषी तथा मानवता का मान बढ़ाने वाले हैं। ये फैसले उन व्यक्तियों तथा समुदायों के लिए प्रेरक हैं, जो धर्म अथवा परम्परा के नाम पर बेबस जानवरों की हत्या को जायज ठहराते हैं। पशुओं की बलि या कुर्बानी अत्यन्त क्रूर रिवाज है। पशु-पक्षियों की हत्या और धार्मिक आस्था का कोई तर्कसंगत आधार या सम्बन्ध नहीं है। कोई भी धर्म निरीह निर्दोष प्राणियों के संहार की आज्ञा नहीं देता। वस्तुत: धर्म प्राणियों के संरक्षण की ही प्रेरणा देता है। पर्यावरण-रक्षा के लिए भी जीवरक्षा जरूरी है। पशु बलि की क्रूर प्रथा की समाप्ति की यह ता यदि पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और अहिंसा के पक्ष में अपनी आवाज और अधिक ज़ोर से बुलंद करें तो बहुत बड़ा कार्य हो सकता है। पहल पशु-पक्षी बलि निषेध कानूनों के सही अनुपालन में सहायक तो होगी ही लेकिन जहाँ कानून नहीं है, वहाँ भी कानून बनाने के लिए प्रेरक बनेगी। कानून के सही अनुपालन के साथ हमें लोगों को भी प्रशिक्षित करना चाहिये कि वे कुप्रथाओं के समापन में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएँ।

जिन धर्मस्थानों पर आज भी पशु-पक्षियों की बलि होती है, उन धर्मस्थानों से जुड़े भक्तों अथवा वहाँ के धार्मिक न्यास को अपने स्तर पर ही बलि-प्रतिबंध का निर्णय करना चाहिये। धर्मगुरु, विचारक, मीडिया, पर्यावरणविद्, समाजवेत्ता और राजनेता यदि पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और अहिंसा के पक्ष में अपनी आवाज और अधिक ज़ोर से बुलंद करें तो बहुत बड़ा कार्य हो सकता है।

स्वत : तैयार हो जाएगा दूसरा लिवर

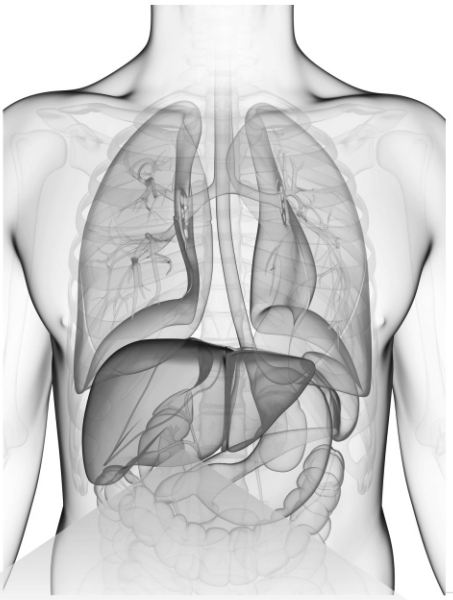

– राजवीर मेघवाल

08 हजार से अधिक लिवर प्रतिरोपण सर्जरी अकेले अमेरिका में होती हैं हर वर्ष

लिवर ट्रांसप्लांट की बाट जोह रहे मरीजों के लिए उम्मीद की एक नई किरण जगी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने लिवर से प्राप्त कोशिकाओं की मदद से सुअर की लसिका ग्रंथि(लिंफ ग्लैंड) में नया लिवर विकसित करने में कामयाबी दर्ज की है। चूंकि, इनसान और सुअर की जेनेटिक संरचना में काफी समानताएं हैं, लिहाजा इस तकनीक से लिवर रोगों से जूझ रहे मरीजों में भी नया-स्वस्थ लिवर पैदा करने की संभावना जताई जा रही है।

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बताया कि लिवर कोशिकाओं में दोबारा पनपने की क्षमता प्राकृतिक रूप से मौजूद होती है।

अगर लिवर के कुछ अंश को शरीर में प्रतिरोपित किया जाए तो वह संपूर्ण अंग का आकार ले सकता है। ताजा अध्ययन से संकेत मिलता है कि लसिका ग्रंथि लिवर कोशिकाओं के विकास के लिए सबसे आदर्श माहौल उपलब्ध कराती है। वहां कोशिकाओं में विभाजन की प्रक्रिया सुचारू तौर पर होती है, जिससे वे धीरे-धीरे पूरे लिवर का रूप अख्तियार कर लेती हैं।

नहीं खलेगी प्राकृतिक अंग की कमी

शोधकर्ता एरिक लगासे की मानें तो नया लिवर देखते ही देखते पुराने लिवर की जगह ले लेता है। लसिका ग्रंथि में इसके विकास के बाद जब खून की आपूर्ति रोकने वाली दवाएं देकर सुअर का प्राकृतिक लिवर खराब किया गया तो भी उसकी हालत नहीं बिगड़ी।

हेपेटोसाइट का प्रतिरोपण काफी होगा

अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने छह सुअर के स्वस्थ लिवर में मौजूद 'हेपेटोसाइट निकालीं'। 'हेपेटोसाइट' लिवर की स्वस्थ कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने वाली मुख्य कोशिकाएं होती हैं। इन्हें जब अन्य सुअर की लसिका ग्रंथि में प्रतिरोपित किया गया तो उनमें भी नया लिवर विकसित हुआ।

सुअर पर शोध

बीमारियां भी दूर होंगी

'जर्नल लिवर' ट्रांसप्लांट में छपे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि नया अध्ययन लिवर प्रतिरोपण पर निर्भरता घटाने में अहम साबित होगा। इससे शराब की लत, हेपेटाइटिस सहित अन्य कारणों से लिवर को हुआ नुकसान ठीक किया जा सकेगा।

बेलगाम विकास का जोखिम न के बराबर

लगासे ने बताया कि जीव-जन्तुओं का शरीर कोशिकाओं के विकास पर नजर रखने में सक्षम है। यह किसी भी कोशिका के विभाजन की प्रक्रिया को बेलगाम नहीं होने देता है। ऐसे में 'हेपेटोसाइट' के प्रतिरोपण से प्राकृतिक अंग से ज्यादा बड़ा लिवर विकसित होने का जोखिम न के बराबर है।

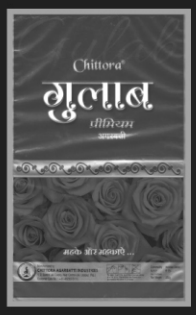

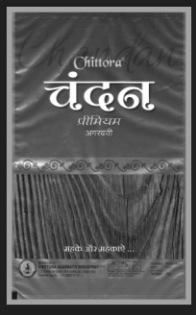

महके और महकाएं
CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES UDAIPUR
CAI
Chittora गुलाब प्रीमियम अगरबत्ती
Chittora चंदन प्रीमियम अगरबत्ती
Chittora KANCHAN Gold
Premium incense Sticks
महके और महकाऐ....
राजेश चित्तौड़ा
9414160914
Chittora चंदन अगरबत्ती
Chittora गुलाब अगरबत्ती
Chittora Mogra
CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES
Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.
1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

फूड टेक्नोलॉजी

बढ़ेगी प्रोफेशनल्स की मांग

भारत में लोगों की बदलती जीवनशैली के मद्देनजर प्रोसेस्ड खाद्य उत्पादों की मांग बेतहाशा बढ़ी है। यही कारण है कि फूड टेक्नोलॉजी का करियर तेजी से फल-फूल रहा है। इसमें प्रमुख प्रचलित कोर्स और कॅरियर के अवसरों के बारे में बता रहे हैं - संजीव कुमार सिंह

आंकड़ों की मानें तो भारत में करीब 30 करोड़ की आबादी डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल करती है। साथ ही यह दुनिया का सबसे बड़ा सब्जी व फल उत्पादक देश है। जबकि भोजन एवं किराना वस्तुओं के उत्पादन में यहां की इंडस्ट्री विश्व में छठे स्थान पर है। लेकिन विकसित देशों की तुलना में भारत में फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग उद्योग तुलनात्मक रूप से पिछड़ा हुआ है। फूड टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसके जरिए कॅरियर की सशक्त नींव रखी जा सकती है।

आंकड़ों की नजर में इंडस्ट्री

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री(फिक्की) की रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष के अन्त तक 23 प्रतिशत वृद्धि आने की संभावना है। देश में फलों-सब्जियों की प्रोसेसिंग, बेकरी प्रोडक्ट, मरीन प्रोडक्ट का बड़ा स्पेक्ट्रम मौजूद है। एक आंकड़े की मानें तो भारत विश्व में फलों के उत्पादन में 9 प्रतिशत, सब्जियों में 9.3 प्रतिशत योगदान देता है। इस समय 32 प्रतिशत बाजार पर फूड मार्केट का कब्जा है।

क्या है फूड टेक्नोलॉजी

फूड टेक्नोलॉजी विज्ञान की ही एक ऐसी शाखा है, जिसके अन्तर्गत किसी भी फूड प्रोडक्ट के केमिकल, फिजिकल व माइक्रोबायोलॉजिकल तत्वों का अध्ययन किया जाता है। साथ ही इसमें किसी भी फूड प्रोडक्ट के उत्पादन, भंडारण, परीक्षण, पैकेजिंग तथा वितरण संबंध कार्य किए जाते हैं। इसके अंतर्गत सभी प्रकार के भोज्य पदार्थों जैसे मीट, फलों, सब्जियों, मछली, अनाज, अंडा, दूध आदि को शामिल किया जाता है। किसी भी फूड टेक्नोलॉजिस्ट का पहला कार्य कच्चे पदार्थों की जांच, भोज्य पदार्थों की क्वालिटी बनाए रखने, भोजन का परीक्षण, उसकी पोषकता की जांच आदि से संबंधित होता है। ये भोजन की प्रोसेसिंग, संरक्षण एवं उन्हें खराब होने से बचाने के लिए कई तरह की तकनीक का ईजाद करते हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

इसमें बैचलर, मास्टर व डिप्लोमा, कई तरह के कोर्स मौजूद हैं। बैचलर डिग्री तीन साल, मास्टर दो साल तथा डिप्लोमा कोर्स एक साल का होता है। इसके बैचलर कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र के पास न्यूनतम डिग्री10+2(फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स अथवा बॉयोलॉजी सहित) होनी चाहिए, तभी बीएससी में एडमिशन मिल पाएगा। जबकि मास्टर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शैक्षिक योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है। यदि किसी ने होम साइंस, न्यूट्रिशन, डाइटिशियन या होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है तो फूड टेक्नोलॉजी में उच्च शिक्षा हासिल कर सकता है।

वैज्ञानिक नजरिया है जरूरी

एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट में साइंटिफिक नजरिया, आकलन की क्षमता, हेल्थ एवं न्यूट्रिशन में अभिरुचि, काम की पूर्णता, जैसा गुण होना जरूरी है। उन्हें टीम के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में काम करना होता है, इसलिए उनमें संवाद कौशल मजबूत होना जरूरी है। फूड एवं न्यूट्रिशन के संदर्भ में होने वाले वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास से अपडेट रहें।

रोजगार के असीम अवसर

कोर्स पूरा करने के बाद इसमें प्राइवेट व सरकारी हर जगह रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। खासकर इसमें मुख्य रूप से फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, फूड रिसर्च लैबोरेटरी, होटल, रेस्तरां, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अलावा कई सरकारी व प्राइवेट सेक्टर में फूड टेक्नोलॉजिस्ट, फूड इंस्पेक्टर व हेल्थ इंस्पेक्टर के रूप में अपनी सेवा दे सकते हैं। यदि कोई फ्रीलांस कंसल्टेंट या किसी स्कूल/कॉलेज में रिसर्चर, लेक्चरर, एडवाइजर या हेल्थ डॉक्टर के रूप में कार्य करने का इच्छुक है तो उसे भी निराशा नहीं मिलती। मल्टीनेशनल कंपनियों अथवा विदेशों में भी काफी अवसर मौजूद हैं।

आकर्षक सैलरी पैकेज

फूड टेक्नोलॉजिस्ट को शुरुआती दौर में कम से कम 30,000 से 35,000 रुपए प्रतिमाह मिलते हैं। दो-तीन साल के अनुभव के बाद सैलरी में भी बढ़ोतरी होती है। कई ऐसे फूड टेक्नोलॉजिस्ट हैं, जिनका सालाना पैकेज लाखों में है। विदेशों में प्रोफेशनल्स को आकर्षक सैलरी मिलती है। जबकि फ्रीलांस कंसल्टेंट या एडवाइजर के रूप में काम करने पर योग्यता के अनुसार कीमत मिलती है। प्रोफेशनल्स चाहें तो अपना काम भी शुरू कर आमदनी कमा सकते हैं। मल्टीनेशनल कंपनियां प्रोफेशनल्स को बहुत अच्छा पैकेज देती हैं।

इन रूपों में मिलेंगे विकल्प

सेल्स एग्जिक्यूटिव

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में सेल्स से जुड़े पेशेवरों के लिए ढेरों मौके हैं। खासकर मार्केटिंग में एमबीए के बाद कई अवसर मिलते हैं। इसके लिए बेहतरीन मार्केटिंग स्किल्स होना जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर

इनका मुख्य कार्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को बनाए रखना होता है। इसके लिए ये कई अन्य विभागों से भी तालमेल बनाते हैं। गुणवत्ता से जुड़े सभी कार्यों के लिए यही जिम्मेदार होते हैं।

फ्लेवर केमिस्ट

इसके अंतर्गत उन प्रोफेशनल्स को शामिल किया जाता है, जो स्वाद को बखूबी जानते अथवा समझते हैं। आमतौर पर इसमें डिग्री के बाद रोजगार मिलते हैं।

प्रोडक्शन इंजीनियर

किसी फूड प्रोसेसिंग कम्पनी में प्रोडक्शन इंजीनियर बनने के लिए प्रोडक्शन इंजीनियरिंग व मेंटेनेंस में डिग्री होना जरूरी है। ये प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन से संबंधित हर तरह के कार्य देखते हैं।

माइक्रोबायोलॉजिस्ट

फूड व डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट में माइक्रो बायोलॉजी में मास्टर या डिप्लोमा के बाद माइक्रोबायोलॉजिस्ट बनने की राह आसान हो जाती है। ये खाद्य पदार्थों का परीक्षण करते हैं। साथ ही अपनी रिपोर्ट मैनेजमेंट को भेजते हैं।

।।श्री गणेशाय नमः ।।

।।जय दाता ।।

Sachin Gurjar
7726866180

Hemant Gurjar
9660261243

श्री राधे कृष्णा

बिल्डिंग मटेरियल

रेती, गिट्टी, सरिया, सीमेन्ट, ईट, पत्थर आदि के हॉलसेल विक्रेता

स्पे. रेती सप्लायर्स

बलीचा बाईपास, उदयपुर (राज.) Email: hgurjar810@gmail.com

समझदारी से करें जीवन बीमा में निवेश

– रेणु शर्मा

जीवन बीमा लेते वक़्त प्रायः असमंजस की स्थिति रहती है क्योंकि सवाल हमारा और परिवार की सुरक्षा का होता है। इसलिए जीवन बीमा लेने से पूर्व पॉलिसी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को जान लेना निहायत ज़रूरी है।

जीवन बीमा किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन कई लोग वित्तीय निवेश में बीमे को ज़्यादा महत्व नहीं देते। जीवन बीमा परिवार को जीवन की अनिश्चितताओं के समय आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। जीवन बीमा लेते वक़्त कुछ बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

आय और बीमा संतुलन

जीवन बीमा आय के अनुसार होना चाहिए। मसलन, एक व्यक्ति की मासिक आय 10 हजार रुपए है, तो उसका बीमा(आय × 200) यानी 20 लाख रुपए को होना चाहिए ताकि कोई अनहोनी घटना होने पर बीमे की राशि से प्रतिमाह मिलने वाला ब्याज हमारी नियमित मासिक आय के बराबर हो।

ऐसे समझें

20 लाख रुपए पर बैंक यदि 6 प्रतिशत की दर से वार्षिक ब्याज देता है तो होते हैं 1 लाख 20 हजार रुपए यानी 10 हजार रुपए प्रतिमाह जो हमारी अनुपस्थिति में भी परिवार को आर्थिक सहायता देने में सक्षम होगा। यदि 10,000 मासिक आय वाले व्यक्ति को 30 वर्ष की उम्र में 20 लाख का बीमा लेना है तो किस्त राशि प्रतिमाह 510/- से 4670/- तक पॉलिसी के अनुसार हो सकती है।

जितना जल्द, उतना बेहतर

जीवन बीमा को अधिकतम उम्र के लिए लेना चाहिए। जीवन बीमा की किस्त वर्तमान उम्र और स्वास्थ्य के आधार पर तय होती है। लम्बी अवधि का जीवन बीमा लेने में व्यक्ति को उम्रदराज होने पर अधिक प्रीमियम देकर बीमा खरीदने की ज़रूरत नहीं होती। जैसे, यदि कोई व्यक्ति 40 वर्ष की उम्र में 20 वर्ष के लिए बीमा खरीदता है तो सुरक्षा 60 वर्ष तक होगी। और यदि इसी व्यक्ति की किस्त 40 की उम्र में 10,000 होती है तो यही किस्त 55 की उम्र में 14,000 देनी होगी। यानी अधिक उम्र में बीमा लेने पर किस्त की राशि बढ़ जाती है। बेहतर है कि कम उम्र में ही बीमा ले लिया जाए।

क्या है टर्म इंश्योरेंस

टर्म इंश्योरेंस कम प्रीमियम में अधिक बीमा प्रदान करता है, जिसमें बहुत ही कम प्रीमियम पर व्यक्ति एक आकर्षक बीमा कवर ले सकता है। लेकिन टर्म इंश्योरेंस की परिपक्वता पर बीमा कम्पनी किसी प्रकार का भुगतान ग्राहक को नहीं करती है, क्योंकि इसकी प्रीमियम में से कुछ भी राशि निवेश नहीं की जाती है। पूरी प्रीमियम राशि का बीमा कवर हेतु उपयोग किया जाता है।

लघु और दीर्घावधि बीमा

प्रायः जीवन बीमा व्यक्ति अपने उद्देश्यों जैसे बच्चों की शिक्षा, विवाह, मकान निर्माण आदि को ध्यान में रखकर तय करता है जिसकी अवधि भिन्न-भिन्न हो सकती है। कम अवधि की बीमा पॉलिसी में किस्त की राशि अधिक होती है व बोनस का प्रतिशत कम होता है। वहीं अधिक समय की पॉलिसियों में बीमा की किस्त कम होती है व बोनस का प्रतिशत तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। कम समय की पॉलिसी लेने पर व्यक्ति को दोबारा बीमा खरीदने के समय अधिक किस्त का भुगतान करना होता है। वहीं अधिक समय की पॉलिसी कम किस्त में बड़ी उम्र तक की सुरक्षा प्रदान करती है।

परम्परागत शैली में सजाएं अपना घर

घर को यदि परम्परागत सांस्कृतिक अन्दाज में सजाना-संवारना हो तो भारतीय आन्तरिक(इन्टीरियर) साज-सज्जा शैली में ही सजाना ठीक रहता है। इसमें काफी विविधता देखने को मिलती है। राजसी वैभव, शान-बान को दर्शाने वाली यह एक ऐसी विशिष्ट शैली है, जो पूरी दुनिया में ही लोकप्रिय है। इसमें कल्चर, इतिहास दोनों का मेल होता है। अपने घर को परम्परागत शैली में सजाकर इसे सांस्कृतिक अन्दाज में नया लुक देने के लिए क्या नया किया जा सकता है, आप भी जानें -

अनु आर.

लाइटिंग-अंदाज हो देसी

घर की लाइटिंग में अगर देसी अंदाज से लैंप जोड़े जाते हैं तो यह हमें अपने इतिहास और परंपरा से जुड़े होने का एहसास दिलाता है। इस अंदाज में क्रोम को छोड़कर सॉफ्ट और वार्म अंडरटोन वाला मेटल जैसे ब्रास, ब्रोंच और कॉपर का चयन करें। लाइटिंग और प्लंबिंग फिक्सचर के लिए यह रंग कमरे को एलीगेंट लुक देता है। गिल्ट के फ्रेम वाले मिरर और आर्टवर्क कमरे को खूबसूरती देते हैं। क्रिस्टल शेंडेलियर दिखने में एलीगेंट लगते हैं, मुगलिया अंदाज की याद दिलाती पेंडेट लाइट्स खूबसूरती को कई गुना बढ़ाती है।

लकड़ी का फर्नीचर और शो पीस

वॉलनेट, चैरी, महोगनी, ओक जैसे गहरे रंग की वुड टोन का ट्रेडिशनल स्टाइल का लकड़ी का फर्नीचर घर को एथनिक लुक देता है। वुडन शो पीस और वुडन वॉल आर्ट का प्रयोग इसकी सुंदरता में इजाफा करता है। आजकल इंटीरियर में वुडन सीलिंग का खूब प्रयोग हो रहा है। हार्डवुड के फर्श चमकते हैं, उन्हें ऐसे ही छोड़ने की बजाय उन पर कलात्मक कालीन बिछाकर रखें। कालीन ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए। वुड फैमिली के रंग से मैच खाती वुड फर्नीशिंग इसमें खास भूमिका अदा करती है।

परंपरागत सजावटी कैबिनेट

परंपरागत सजावटी वुडन कैबिनेट, एस्थेटिक्स शो करता है। शीशे, हाथी दांत के काम वाले, स्टोन और मेटल जुड़े गहरे रंग के पेंट वाले यह स्टोरेज लिविंग रूम, बेडरूम या किचन को परम्परागत लुक देते हैं। इन्हें हाई चेयर, सोफा, दीवान और फुट स्टूल के साथ मिक्स एंड मैच करके सजाएं।

खूबसूरत दरियां, रग्स, गलीचे

हाथ की बनी खूबसूरत परंपरागत, दरियां, पर्शियन स्टाइल के कार्पेट का फैशन कभी पुराना नहीं होता। यदि आप महंगे कालीन और दरियां खरीदते हैं तो इन्हें बॉक्स में बंद करके रखने की बजाय परम्परागत इंटीरियर डेकोरेशन में इस्तेमाल करें। यह पुरानी ज्वैलरी की तरह होते हैं, जिन्हें किसी भी चीज के साथ मिक्स या मैच करके सजा सकते हैं। कमरे में इनकी उपस्थिति कमरे को मुखरता देने के साथ-साथ इसे एथनिक दिखाती है। भीतर की सीढ़ियों पर बड़ा गलीचा या एक-दूसरे के साथ सटाकर रखे गये छोटे रग्स इंटीरियर को परम्परागत टच देते हैं।

वाइब्रेट रंग

ब्राइट और गहरे रंग भारतीय आंतरिक साज-सज्जा की विशिष्ट पहचान हैं। ज्यादा रंगों का इस्तेमाल इंटीरियर को एक विजुअल इफेक्ट देता है। अर्थटोन, रिच ब्राउन और बर्न्ट, ऑरेंज दीवारों और फर्श के लिए चुनें। ब्लू और ग्रीन का इस्तेमाल पिलोकेस और चेयर्स के लिए करें।

पीतल की सजावट

घर के इंटीरियर में कई तरह के मेटल की सजावट में कई एक्सपेरिमेंट किये जा सकते हैं। पीतल के सेंटर पीस, सोफे के कोनों या सिटिंग अरेंजमेंट में स्टूल्स पर रखी पीतल की गणपति या बुद्ध की प्रतिमा, दीवार पर पीतल के सूर्य, स्वस्तिक का निशान यह सब घर में परम्परागत संस्कृति के साथ-साथ सुरूचि को भी दर्शाते हैं।

टेराकोटा का सम्मान

इंटीरियर में टेराकोटा का सामान घर को एथनिक लुक देता है। टेराकोटा, वॉल आर्ट, फ्लवर पॉट्स, वासेस के अलावा बालकनी को सजाने के लिए पौधों के साथ-साथ टेराकोटा बर्ड हाउस लगाकर बालकनी की सजावट को भी परंपरागत शैली में नेचुरल लुक दिया जा सकता है।

हाथ के बने फैब्रिक

भारत के हथकरघा उद्योग का सम्पन्न शानदार इतिहास रहा है। इन्हें दीवारों, बेड, दीवान पर या किसी दूसरी जगह पर फैब्रिक के रूप में सजाया जा सकता है।

THE ARTIST HOUSE

A

EAT | DRINK | WORK | STAY

Near Ashoka Cinema, Surajpole, Udaipur, Rajasthan 313001 Contac: +91 9119 114 114
For Reservation:- reservations@theartisthouse.in info@theartisthouse.in www.theartisthouse.in

मोती के प्रकार पर प्रभाव निर्भर

रत्न विज्ञान में मोती का अपना महत्व है। वैसे तो रत्न चौरासी प्रकार के होते हैं, लेकिन उनमें से माणिक्य, मोती, पन्ना, हीरा व नीलम को पंच महारत्न के रूप में मान्यता दी गई है। गोल और लम्बे मोती धारण करना कई प्रकार से लाभदायी सिद्ध होता है।

भगवती प्रसाद गौड़

मोती को धारण करना सभी के लिए संभव नहीं हो ऐसा जरूरी नहीं है, ऐसी परिस्थिति में विशेष कर बड़ी तिथियों यानी चतुर्दशी तथा पूर्णिमा के दिन उपवास करके भी मोती धारण करने के समान ही लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

- मोती चंद्र ग्रह का रत्न है। इसे सोमवार प्रात: अथवा संध्या के समय चांदी से बनी अंगूठी में कनिष्ठा में धारण करने से लाभ होता है। मोती शुक्ल पक्ष में रोहिणी, हस्त, श्रवण नक्षत्रों में धारण करना चाहिए।
- धारण किया जाने मोती वाला 4.25 रत्ती भार का ही धारण करना तथा गोलाकार होना चाहिए।
- गोलाकार मोती, जिसमें सूक्ष्म श्याम रंग का चिन्ह हो, उसको धारण करने से विदेश यात्रा का योग होता है।
- गोलाकार पीले रंग की आभा वाला मोती धारण करने से व्यक्ति की मनीषा प्रखर होती है और वह विद्वानों में सम्मान पाता है।
- गोलाकार मोती, जिसका रंग हल्की ललाई वाला हो, उसे धारण करने से मंगल ग्रह का उपद्रव शांत होता है।
- सफेद तेजस्वी रंग के गोलाकार मोती पर हरे रंग के कमल के फूल के आकार का सूक्ष्म चिन्ह हो तो उसे धारण करने से राज्य की ओर से लक्ष्मी प्राप्त होती है। इसी प्रकार ऐसे ही अन्य मोती पर श्याम रंग का मुद्गल के आकार का सूक्ष्म चिन्ह हो तो बलिष्ठ संतान की प्राप्ति होती है। मोती पर सफेद रंग का पद्मकोष के आकार का सूक्ष्म चिह्न हो तो उसे धारण करने से बहुत लक्ष्मी प्राप्त होती है। ऐसे मोती पर हरे रंग का चामर के आकार का सूक्ष्म चिन्ह हो तो उसे धारण करने से राज्य की ओर से सम्मान, उपाधि तथा धन मिलता है।

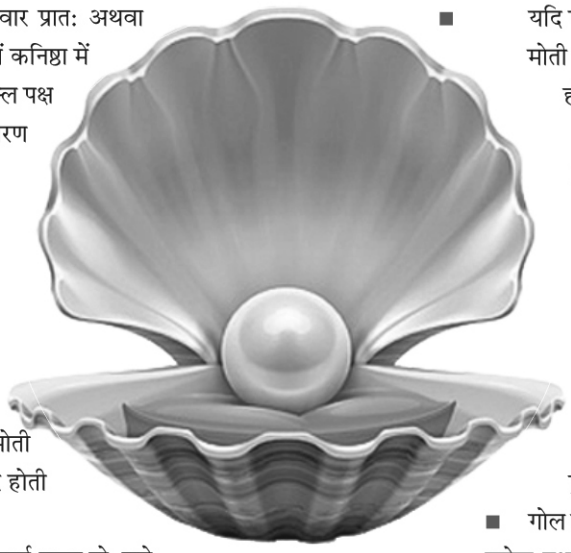

- यदि एक ओर अणीदार तथा दूसरी ओर से चपटा मोती हो और उसका रंग आकाश के रंग की तरह हो तो ऐसा मोती धारण करने से धन में वृद्धि होती है।
- यदि एक ओर अणीदार तथा नीचे से गोल आकार का मोती हो और उसका रंग तेज सफेद हो तो उसे धारण करने से बंध्यत्व का नाश होता है। मोती आकार में लम्बा तथा गोल हो एवं उसके मध्य भाग में आकाश के रंग जैसा वलयाकार, अर्द्ध चंद्राकार चिन्ह हो तो उस मोती को धारण करने से उत्तम पुत्र की प्राप्ति होती है।
- गोल लम्बा आकार का मोती, जिसका रंग तेजस्वी सफेद तथा उसमें लाल रंग के ध्वज के आकार का सूक्ष्म चिन्ह हो ऐसा मोती धारण करने से राज्य की ओर से लक्ष्मी का लाभ प्राप्त होता है।
- बात अवश्य ध्यान में रखें कि मोती के साथ गोमेद कभी धारण नहीं करने। रत्न धारण करने से पूर्व रत्न विशेषज्ञ एवं ज्योतिष विद्या के पारंगत से सलाह ज़रूर करनी चाहिए।

कलाबाज परिन्दे हरियल और बया

मोहन गौड़

'हरियल' कबूतर परिवार का हरे, पीले, स्लेटी रंग वाला बहुत सुन्दर पक्षी है। इसकी सीटी जैसी बोली कर्णप्रिय लगती है। हरियल पके और गदराए फल बड़े चाव से खाता है। फल खाते समय यह कुशल नट की भांति कलाबाजी दिखाता है। यह पीपल के वृक्ष पर बैठना पसंद करता है। हरियल की शक्ल कबूतर जैसी ही होती है। इसका रंग हरा-पीला होता है, इसलिए इसका नाम हरियल पड़ा। इसे अंग्रेजी में 'ग्रीन पिजन' कहते हैं यानी हरा कबूतर। भारत में इसकी 5-6 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो रंग, रूप और स्वभाव में एक-दूसरे से मिलती हैं। उपजातियां मिल कर ये 15 किस्म के होते हैं। भारत में हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक तथा राजस्थान से लेकर पूर्व से असम तक, ये देखने को मिलते हैं। भारत के अलावा हरियल पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और थाईलैंड आदि देशों में भी दिखाई देते हैं। हरियल पतझड़ वाले या सदाबहार जंगलों के पेड़ों को अधिक पंसद करते हैं। सारा जीवन पेड़ों पर ही बिता देते हैं। इस पक्षी की उम्र करीब 26 वर्ष होती है। यह तीन सेंटीमीटर लम्बा होता है। इसके पंखों का रंग राख जैसा स्लेटी और हरे रंग से मिला होता है। चोंच पतली और मजबूत होती है। आंखें नीली होती हैं। आंखों के चारों ओर गुलाबी घेरा होता है। पैर पीले होते हैं। पूंछ स्लेटी रंग की होती है। हरियल शाकाहारी है। इसे फल ही पसंद है। यह पक्षी बड़ा शर्मीला होता है। मनुष्य को देखते ही चुप्पी साध लेता है। हरियल आठ-दस के झुंड में रहता है। इन्हें बड़ी आसानी से पाला जा सकता है, लेकिन इन्हें ताजे फल ने मिलें तो ये मर जाते हैं। चिड़ियाघरों में इन्हें सत्तू खिलाया जाता है। ये खारा पानी पीना पसंद नहीं करते।

बया वहकुशल कारीगर है, जो अपने घोंसलों की वजह से ही जानी जाती है। बया का घोंसला न सिर्फ सुंदर बल्कि पूरी तरह सुरक्षित भी होता है। बारिश हो या आंधी, बया का घोंसला खराब नहीं होता। घोंसले की बनावट कुछ इस तरह होती है कि सांप, गिद्ध या चील जैसे बया के दुश्मन जीव इसमें प्रवेश नहीं कर सकते। बया, गौरैया के आकार से कुछ मिलती-जुलती है। यह पांच से साढ़े पांच इंच तक लम्बी होती है। इसकी चोंच गौरैया की अपेक्षा मोटी और पूंछ छोटी होती है। इसे बुनकर पक्षी भी कहते हैं। वैसे तो बया की कई प्रजातियां हैं, लेकिन इन्हें दो वर्गों में देखा जाता है। एक पट्टीदार बया और दूसरी काले कंठ की। यह फलोसाइनी प्रजाति का पक्षी है। यह अनाज के दाने, फल और फूल खाती है और झुंड में रहना पसंद करती है।

बया की कारीगरी का कमाल बारिश में देखने को मिलता है। यह इसके प्रजनन का समय होता है। मई से सितम्बर के महीने में बया अपने घोंसले का निर्माण करती है। इसका घोंसला घास, सूखी-पत्तियों, पेड़-पौधों की जड़ों और धागों का बना होता है। घोंसला पेड़ की मोटी टहनी पर बनाती है। आमतौर पर यह घोंसला बनाने के लिए ऐसे कांटेदार वृक्षों को चुनती है, जिनकी डालियां नदियों, तालाबों या कुओं के ऊपर झुकी हुई हों। घोंसला बनाने का कार्य नर बया करता है। नर बया घोंसले को आधा बनाकर मादा बया के निरीक्षण के लिए छोड़ देता है। मादा को पसंद न आने पर नर दूसरा घोंसला बनाना शुरू कर देता है। इस तरह नर बया शुरुआत में में तीन से चार अधूरे घोंसले बनाता है। जब इसके किसी घोंसले को मादा बया की तरफ से हरी झंडी मिल जाती है तब नर और मादा मिलकर उस अधूरे घोंसले को पूरा करते हैं। बया के घोंसले का आकार छोटा, बड़ा, गोल या लम्बा कैसा भी हो सकता है। यह घोंसला बनाने वाले बया की पसंद पर निर्भर करता है। प्रवेश द्वार इतना संकरा रखा जाता है कि इसमें बस यह नन्ही चिड़िया ही प्रवेश कर पाए। अंदर जाने के लिए डेढ़ से दो फुट तब लम्बी नली बनाई जाती है जो बया को सुरक्षा प्रदान करती है। ठंडक के लिए बया अंदर की दीवारों पर गीली मिट्टी से प्लस्तर भी करती है। मादा अपने घोंसले में एक बार में तीन से चार अंडे देती है जो पंद्रह से बीस दिन में विकसित हो जाते हैं। दो से तीन माह तक बया घोंसले में अपने नन्हे मुन्नों की देखभाल करती है और जब उसके बच्चे उड़ने लग जाते हैं तब पूरा परिवार अपना घोंसला छोड़ कर चला जाता हैं। वह हर बार नया घोंसला बनाती है।

Laxmikant Vaishnav
Director

We are Leading Manufacture and Supplier of
Minerals and Industrial Fillers
We serve Paint Industry, Paper Industry, Cosmetics and Plastics

M/s Colorex, Udaipur (Raj)
Rajasthan Clay, Sojay (Raj)
Rama Microns Pvt Ltd, Alwar (Raj)
Rudraksh Microns Pvt Ltd, Mysore (Karnataka) .....And More

- *Calcite Powder*
- *Dolomite Powder*
- *Talc / Soapstone Powder*
- *Mica Powder*
- *Silica Sand Powder*
- *China Clay Powder*
- *Barytes Powder*
- *Quartz Powder*
- *Color Sand Powder*
- *Feldspar Powder*

Rashtriya Chemicals & Minerals

101 & 201, Anand Plaza Complex, University Road, Aayad,
Udaipur - 313001 (Raj) Mob.: 9929099536
E-mail: lk.vaishnav@rediffmail.com **www.rcmminerals.com**

प्रत्यूष

भारत को हाइपरसोनिक शक्ति हासिल

ध्वनि की गति से छः गुना ज्यादा तेजी से मिसाइल प्रक्षेपण, रक्षा के क्षेत्र में एंटी-शिप, एंटी-टैंक सहित अनेक मिसाइलों का सफल परीक्षण

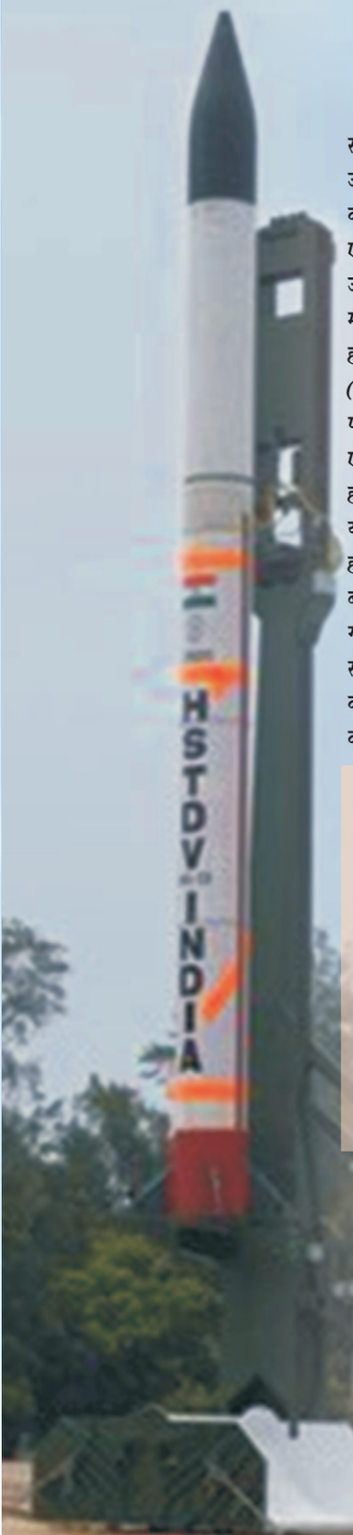

- अभिजय शर्मा

सन् 2020 का वर्ष जिन उपलब्धियों के कारण इतिहास का खास पन्ना बन गया, उनमें एक महत्वपूर्ण और गर्वीली उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी रही। एंटी मिसाइल के साथ ही डेमोन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसडीवी) के सफल परीक्षण से दुनिया ने भारत को एक बड़ी छलांग लेते हुए तो देखा ही भारत अब स्वदेशी तकनीक या इंजन के दम पर समुद्र में हमलावर जहाजों को निशाना बनाने के साथ-साथ ध्वनि की गति से भी छह गुना ज्यादा तेजी से यान या मिसाइल प्रक्षेपित करने की योग्यता हासिल करने की ओर बढ़ गया है।

भारतीय नौ सेना ने 30 अक्टूबर को अपनी ताकत में और इज़ाफा करते हुए एंटी-शिप मिसाइल(एएसएचएम) का सफल परीक्षण किया। इससे पूर्व भारत ने 7 सितम्बर से अक्टूबर अन्त तक हर पांचवें दिन किसी न किसी परीक्षण से अपनी रक्षा व्यवस्था को मज़बूत करते हुए दुनिया को दिखा दिया कि भारत आर्थिक ही नहीं, सैन्य शक्ति बनने की भी क्षमता रखता है। 7 सितम्बर से 30 अक्तूबर के दरम्यान जो भी परीक्षण हुए वे 100% सफल रहे। बंगाल की खाड़ी में आईएनएस कोरा से कार्वेट मिसाइल दागी गई। नौसेना के सूत्रों के अनुसार मिसाइल ने सबसे अधिक रेंज का उपयोग कर पूरी क्षमता से सटीक लक्ष्य भेदा। जिस जहाज पर निशाना लगाया गया, वह पूरी तरह नष्ट होकर टुकड़ों में बंट गया। इससे एक सप्ताह पूर्व 23 अक्तूबर को भी नौसेना ने इसी मिसाइल को आईएनएस प्रबल से छोड़ा था। तब मिसाइल ने अधिकतम दूरी के साथ सेना से रिटायर जहाज पर सटीक निशाना लगाया था।

एचएसटीडीवी परीक्षण

डिफेन्स रिसर्च एण्ड डवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन(डीआरडीओ) ने ओडिशा के बालासौर में स्थित एपीजे अब्दुल कलाम रेंज हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमोन्स्ट्रेटर व्हीकल टेस्ट को 2020 के उत्तरार्द्ध में सितम्बर की सात तारीख को अंजाम दिया। इसके साथ ही अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चौथा ऐसा देश बन गया है जिसने खुद की हाइपरसोनिक तकनीक विकसित कर ली है।

यह परीक्षण भारत के लिए तीन उच्च क्षमता की तकनीकों का रास्ता खोलेगा। एक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, दूसरा रॉकेट तथा तीसरे स्पेस प्लेन।

डीआरडीओ की अगले पांच वर्षों में हाइपरसोनिक मिसाइल तैयार कर लेने की योजना है। डीआरडीओ ने स्क्रैमजेट इंजन युक्त एचएसटीडीवी का दूसरी बार परीक्षण किया है। पहला परीक्षण एक साल पूर्व किया गया था। कुछ और परीक्षणों के बाद सबसे पहले इस तकनीक का इस्तेमाल हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल के निर्माण में होगा। इससे दोगुनी रफ्तार की मिसाइलें बनाना संभव होगा। आगे की तैयारी सही चली, तो भारत पांच वर्ष में एक सक्षम स्क्रैमजेट इंजन के साथ हाइपरसोनिक क्षमता विकसित कर लेगा। भारत की अंतरिक्ष और विमानन शक्ति बहुत बढ़ जाएगी। भारत के लिए प्रति सेकंड दो किलोमीटर से भी अधिक की रफ्तार हासिल करना संभव होगा।

यह परीक्षण गति, तापमान, प्रदर्शन के हर पैमाने पर आशा के अनुरूप रहा है। यह हाइपरसोनिक व्हीकल न केवल 2,500 डिग्री सेल्सियस के तापमान को झेलने में सफल रहा है, अत्यधिक तेज रफ्तार भी इसकी राह में बाधा नहीं बन पाई है। खास बात यह है कि इस तकनीक का प्रयोग मिसाइल के अलावा भी अन्य सकारात्मक कार्यों में हो सकेगा। अभी जो तकनीक विकसित हो रही है, वह मानव रहित तेज विमान की तकनीक है, लेकिन भविष्य में मानव के सवारी योग्य हाइपरसोनिक यान का निर्माण भी संभव है। इसके अलावा, भारत जिस तकनीक का विकास कर रहा है, वह किफायती है और भविष्य में भारत के लिए सैटेलाइट लॉन्च करने का खर्च भी बहुत कम हो जाएगा।

दो माह में ये सफल परीक्षण

- **30 अक्टूबर** : एंटी शिप मिसाइल का सफल परीक्षण
- **22 अक्टूबर** : एंटी-टैंक मिसाइल नाग का सफल परीक्षण।
- **18 अक्टूबर** : ब्रह्मोस के नौसैन्य रूप का सफल परीक्षण।
- **10 अक्टूबर** : रुद्रम-1 का परीक्षण। भारत की पहली एंटी-रेडिएशन मिसाइल।
- **5 अक्टूबर** : स्मार्ट टारपीडो सिस्टम का सफल परीक्षण।
- **3 अक्टूबर** : परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम शौर्य मिसाइल के नए वर्जन का सफल परीक्षण।
- **1 अक्टूबर** : लेजर निर्देशित एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल(एटीजीएम) का परीक्षण।
- **30 सितम्बर** : ब्रह्मोस मिसाइल का बढ़ी रेंज के साथ परीक्षण।
- **23 सितम्बर** : पृथ्वी-2 का परीक्षण। 500 रेंज किमी।
- **23 सितम्बर** : लेजर गाइडेड एंटी-टैंक मिसाइल का परीक्षण।
- **22 सितम्बर** : एचईएटी व्हीकल का परीक्षण। मिसाइल सिस्टम के टारगेट तय करने में मददगार।
- **7 सितम्बर** : हाइपरसोनिक टेक्नोडेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल का परीक्षण। लॉन्ग रेंज मिसाइल के लिए जरूरी।

आईएनएस कोरा

यह एक जंगी जहाज है। इसका इस्तेमाल गाइडेड मिसाइलें दागने में किया जाता है। इसे 1998 में नौसेना में शामिल किया गया था। इस पर केएच-35 एंटी-शिप मिसाइल भी तैनात है। नौसेना के पास ऐसे तीन और जंगी जहाज हैं - आईएनएस कुलिश, आईएनएस किर्च और आईएनएस करमुक।

ताकत

- हाइपरसोनिक मिसाइल दो हजार किलोग्राम वजन वाला परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम होती है।
- यह छह हजार किलोमीटर दूर के लक्ष्य को भी आसानी से भेद सकता है।
- ऐसी मिसाइल दो हजार डिग्री सेल्सियस तक तापमान सहन कर सकती है।

तकनीक

- आम मिसाइल बैलस्टिक ट्रैजेक्टरी फॉलो करती हैं। इन्हें ट्रैक कर सकते हैं।
- हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम कोई तयशुदा रास्ते पर नहीं चलता। इसे कोई भी भेद नहीं सकता।
- अंतरिक्ष यान रॉकेट में भी प्रयोग होगी तकनीक, इसरो कर रहा इस पर काम।

अभी अमेरिका आगे

हाइपरसोनिक व्हीकल के विकास में अमेरिका अभी आगे है। वैसे इस गति से यात्रा करने वाले पहले इंसान रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरीगागरीन थे। साल 1961 में उनका यान जब पृथ्वी के वातावरण की ओर लौटा, तब उसकी गति हाइपरसोनिक हो गई थी। पृथ्वी की ओर आने की स्वाभाविक गति इतनी तेज होती है कि गिरने या आने वाली चीज में आग लगना आम बात है, लेकिन आग से बचने की तकनीक 1960 के दशक में ही साकार हो चुकी थी, जिससे अंतरिक्ष यानों और यात्रियों का पृथ्वी पर लौटना संभव होने लगा था। लेकिन पृथ्वी की ओर से हवा में इतनी ही गति को हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। हाइपरसोनिक तकनीक भी दो प्रकार की है, एक तकनीक पृथ्वी से 1,00,000 फीट ऊंचाई तक ही काम करती है, जिसका उपयोग मिसाइल में किया जा सकता है। दूसरी इस ऊंचाई से ऊपर भी काम कर सकती है, जिसका उपयोग सैटेलाइट, अंतरिक्ष यान इत्यादि के लिए हो सकता है। इस तकनीक के विकास में रूस और चीन भी लगातार प्रयासरत हैं। फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी इस तकनीक को साकार करने में जुटे हैं, लेकिन इनके बीच भारत की शुरुआती कामयाबी अपने देशवासियों के लिए खुशी की एक बड़ी ख़बर है।

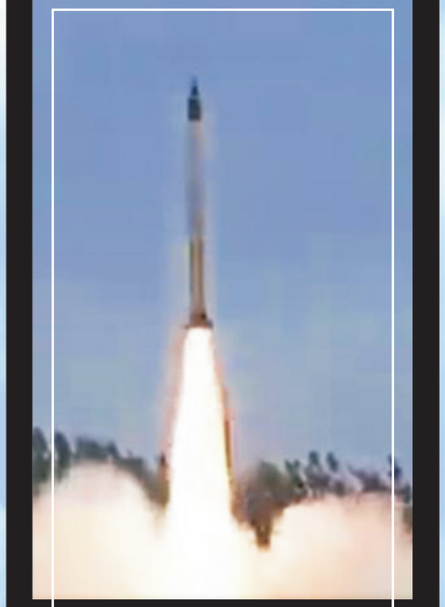

चीन-पाक की बढ़ी चिंता

इस तकनीक की क्षमताओं पर गौर करें तो स्वाभाविक ही भारत की इस उपलब्धि से चीन और पाकिस्तान की चिंताएं जरूरी बढ़ी होंगी। इस मिसाइल के मोर्चे में शामिल होने के बाद भारतीय नौसेना आने वाले समय में चीन और पाकिस्तान युद्धपोतों पर ध्वनि से छह गुना ज्यादा गति से हमला करने में सक्षम होगी। इस तकनीक की मदद से भारत अब एंटी-शिप मिसाइलें बना सकेगा, जो पलक झपकते ही शत्रुओं के लड़ाकू विमानों को तबाह कर सकती हैं। इस बात की जरूरत भी थी कि हथियारों के निर्माण में हम आत्मनिर्भरता हासिल करें। दो माह पूर्व भारत सरकार ने स्वदेशी हथियारों को विकसित करने का संकल्प लिया था और केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने इसे पूरा करने के प्रारूप को मंजूरी दी। वैसे भारत ने अपनी सेना को हर प्रकार से अलग-अलग मोर्चों पर जवाबी कार्यवाही के लिए तैयार कर रखा है, जिसे हम देख भी रहे हैं। हमारी सेनाएं दो से तीन मोर्चों को संभाले हुए है। आज चीन जैसा देश भारत से सैन्य टकराव लेने का साहस जुटा नहीं पा रहा है। उसे सोचना पड़ रहा है।

शुभ दीपावली

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®
वाशिंग पाउडर

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

हमारे प्रोडक्ट्स– वाशिंग पाउडर • बाथिंग सोप • डिटर्जेन्ट केक • डिश वॉश टब
टॉयलेट क्लिनर • नमक • अगरबत्ती

डीलर रहित क्षेत्रों के लिए अनुभवी एवं वित्तिय रूप से सुदृढ़ डिस्ट्रीब्यूटर्स सम्पर्क करें

भूपेन्द्र श्रीमाली (जीएम सेल्स एण्ड मार्केटिंग) – 7727864004

*T&C Apply

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
visit us at : www.aadharproducts.in

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
7229928888
or email at aadharproducts@rediffmail.com

Harish Arya
Director

Mob.: 94141-66102

APDPL

ARYAS PUBLISHERS DISTRIBUTORS (P) LTD.

2-D, Hazareshwar Colony, Near Court Choraha
Udaipur (Raj.) - 313 001 Tel.: 0294-2421087, 93516-85460
E-mail: apdpl.2012@gmail.com

Silver Art Palace

OLD SILVER & GOLDEN JEWELLER

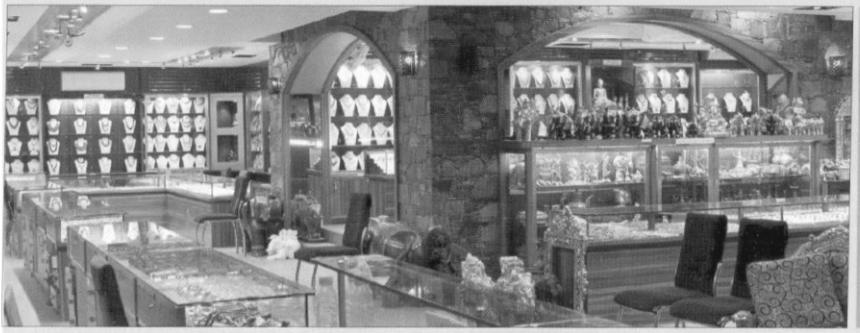

OUR PRODUCTS :
Gold Jewellery with Precious Stones,
Precious & semi precious Stone Jewellery
Silver Jewellery with Stones,
Plain Gold Jewellery,
Victorian Jewellery
Kundan, Meena & Silver Jewellery,
Silver Articles,Silver Furniture,
Indian Handicrafts

Opp. Sahelion Ki Bari,8, New Fatehpura, Mewar Art Wali Gali, Udaipur (Raj.) INDIA
Telefax : +91 294 2414334, 2420914 (S) Email : silverartpalace@rediffmail.com
web : www.silverartpalace.com

फेफड़ों में सूजन का होना ही, निमोनिया है। यह कोई छोटी या नजरअंदाज करने वाली बीमारी नहीं है, इसमें फेफड़ों के ऊतकों में दृढ़ीकरण हो जाने से रोगी को बुखार व बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ होती है। निमोनिया किसी खास उम्र को नहीं देखता। यह कोई बच्चा हो या जवान अथवा बूढ़ा, हर किसी असावधान व्यक्ति को अपनी आगोश में ले लेता है। अभी जब हम 'कोरोना' से जूझ रहे हैं, तो निमोनिया से सावधान रहने की ज़्यादा ज़रूरत है।

थोड़ी सी सावधानी बरतें निमोनिया से बचें

डॉ. सुनील शर्मा

मौसम में बदलाव व ठंड से, वक्ष स्थल पर चोट से, अनिमित खाना खाने से, रोगी व्यक्ति के निकट रहने से अर्थात रोगी के थूक से जीवाणु धूल में या वायु में मिल जाते हैं तत्पश्चात् वायु में उड़ते हुए किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में श्वास द्वारा प्रवेश कर जाते हैं। लम्बे समय से स्टीरॉयड का उपयोग करने वाले व लम्बे समय तक सर्दी से प्रभावितों पेट के ऑपरेशन के बाद में निमोनिया होने की आशंका रहती है। यदि खाना खाते वक्त भोजन का कोई भाग श्वास नली में चला जाए तब भी निमोनिया हो सकता है।

जांच से चलेगा पता : रक्त की जांच में, टीएलसी, डीएलसी, ईएसआर, चेस्ट एक्सरे, बलगम की जांच तथा ब्लड कल्चर से पता चल सकता है। गंभीर अवस्था में यदि ब्रोंकोस्कोपी से भी फायदा ना मिले तो बायोप्सी जरूरी हो सकती है। पल्स ऑक्सी मीटर से ऑक्सीजन की जांच कराना भी सही रहता है।

हवा में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस या कुछ अन्य परजीवी सांस के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इसके अलावा कुछ रसायनों से और फेफड़ों पर चोट लगने के कारण भी निमोनिया हो सकता है। निमोनिया होने पर यह शुरुआत में एलवीओलाई नामक बेहद सूक्ष्म वायु नली को प्रभावित करता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में पानी भर जाता है। खासतौर पर बच्चों

लक्षण : बच्चों में 10-15 दिन जुकाम रहने के बाद निमोनिया की आशंका बन जाती है। खांसी और सीने में दर्द रहता है। कंपकंपी के साथ बुखार, बुखार 103 से 104 डिग्री फारनेहाइट तक हो सकता हैं। सांस लेने में तकलीफ के साथ ही सांस तेज चलने लगती है। इसके साथ ही उल्टी होना और नाखुन का का नीला पड़ना भी एक प्रमुख लक्षण हैं। कुछ अन्य लक्षण भी हैं, जैसे मांसपेशियों में दर्द, 5 साल से कम बच्चों में दूध पीने में दिक्कत, प्यास में कमी, बच्चों की पसलियां चलने जैसी प्रतीत होती है। रक्त मिश्रित चिकना दुर्गंध पूर्ण कफ निकलने के साथ-साथ जीभ भी

को सर्दियों में निमोनिया होने का ज्यादा डर बना रहता है।

बैक्टीरिया के कारण होने वाला निमोनिया 2 से 3 सप्ताह में ठीक हो सकता है जबकि वायरस से होने वाला निमोनिया अधिक समय लेता है। फेफड़ों की प्राथमिक इकाई लोबओल्स में जगह-जगह पर संक्रमण से होने वाले निमोनिया को ब्रोको निमोनिया कहते हैं। यह बच्चों का निमोनिया है और 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अधिकतर इसका आक्रमण होता है। इसमें ब्रोअंकीऑलस में संक्रमण हो जाने से फेफड़ों में घाव हो जाते है।

उपचार: रोगी को तुरंत डॉक्टर की सलाह से विशेष उपचार दिया जाए तो वह 1 सप्ताह में ठीक हो सकता है। यदि मरीज को नींद अच्छी आए तो बीमारी के ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। रोगी को प्रकाश युक्त कमरे में रखना चाहिए और उसके बलगम को मिट्टी में दबा देना चाहिए।

सलाह: आहार में विटामिन ए, सी, डी का पर्याप्त उपयोग करें। कोल्ड ड्रिंक्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का सेवन ना करें। शुरू में हल्की खांसी व जुकाम का उपचार करें तथा बच्चों में खसरा और काली खांसी हो तो तुरंत उपचार कराएं। हरी सब्जियों को सेवन से पहले अच्छी तरह साफ पानी से धोएं। यदि शिशुओं को जुकाम और खासी लग गई है तो उसको नहलाना नहीं चाहिए। खांसी जुकाम में दही का सेवन ना करें। बड़े लोगों को ग्रीन टी पीनी चाहिए और तली-भुनी चीजों से परहेज करना चाहिए।

Since : 1955

JBMB

Nandkishor Kuradia
Govind Lal 9694115404
Neelkanth 9460804062
Jay 9694646720

Jai Bharat Misthan Bhandar

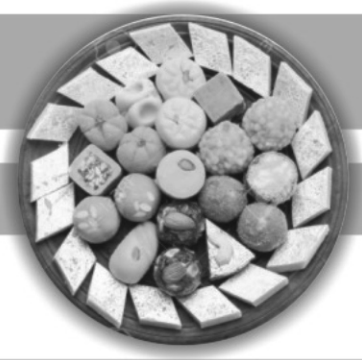

JBMB Special : Malai Gaver, Mava Kachori, Sattu Laddu, Kadai Doodh, Malai Barfi etc.

All Festival & Wedding Order We Take

Shop No. 66, Opp. Control Room, Delhi Gate Circle, Udaipur (Raj.)

NANDAN INN HOTEL

Suuny 9785342802 Rohit 9782560945

Hotel Nandan Inn & Restaurant

A/C, Non A/C Room Available
66, Naya Pura, Delhi Gate, Opp. Police Control Room, Udaipur
Email: hotelnandaninn@gmail.com

• ROOMS • RESTAURANT • PACKING FACILITY

Rama Krishna
TEXTILES

DEALS IN:
Manufacture & Exporters of
All Kinds of Silk, Linen,
Cotton & Brocades,
Kashmiri Shawls,
Soft Furnishing &
Hand Embroidery Bead &
Jari Works to Measure Clothings

Babu Lal Soni
94141 63573

Opp. Sehelion Ki Badi, 8, New Fatehpura, Above Silver Art Palace Udaipur,
Phone +91-294-2419662, +91-294-2413964, ramakrishnatextiles@gmail.com

Raju Bhai
99833 43575

चीन समेत दूसरे देशों से आयात खत्म कर घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने की ओर कदम योजना

देश में बढ़ेगी सस्ती दवाओं की उपलब्धता

डॉ. संदीप गर्ग

देश में सस्ती दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार 15 हजार करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पैकेज देने की तैयारी कर रही है। यह राशि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन(पीएलआई) योजना के तहत दी जाएगी। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच सरकार घरेलू दवा उद्योग की उत्पादन क्षमता बढ़ाना चाहती है, जिससे महंगी दवा के आयात पर निर्भरता को कम किया जा सके और देश में ही जरूरी दवा का उत्पादन बढ़े। इससे आम लोगों को सस्ती कीमत पर दवा मिलने में आसानी होगी। सरकार का यह कदम भारतीय दवा उद्योग को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। मौजूदा समय में दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए चीन समेत दूसरे देशों पर निर्भरता है।

चीन ने एपीआई के दाम बढ़ाएं

चीन ने भारत के साथ सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद दवा बनाने के लिए जरूरी उत्पाद एपीआई और केएसएम की कीमत में 10 में से 20 फीसदी का इजाफा किया है। इसका सीधा असर भारत में दवा की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अगले एक से दो महीने के भीतर जब केएसएम की नई खेप आएगी तो उसकी कीमत ज्यादा होगी, जिसके कारण मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट बढ़ जाएगा और दवा की कीमत भी बढ़ानी पड़ेगी। उद्योग जगत का कहना है कि चीन का मकसद इस तरह की हरकतों से आत्मनिर्भर भारत अभियान को धक्का पहुंचाना है।

सस्ती दवा उपलब्धि में हो रही अभी मुश्किल

दवा उद्योग की आयात पर निर्भरता से अभी सस्ती दवा उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पा रहा है। इसी को देखते हुए सरकार ने प्रोत्साहन पैकेज देन की योजना बनाई है। फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। मंत्रालय से भी उसे जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

जेनेरिक दवा उत्पादन वृद्धि पर जोर: सरकारी सूत्रों के अनुसार, दवा के बिक्री मूल्य पर 5% से 10% का प्रोत्साहन जटिल जैविक और अन्य फार्मास्यूटिकल्स के लिए प्रदान किया जाएगा। दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों का कहना है कि इस योजना से घरेलू दवा कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे उनकी वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। साथ ही आयात पर निर्भरता भी खत्म होगी। गौरतलब है कि भारत की जेनेरिक दवा में वैश्विक हिस्सेदारी 20 फीसदी के करीब है। इसके बावजूद घरेलू दवा कंपनियों जरूरी उत्पाद एपीआई के लिए अमेरिका, जर्मनी, स्वीडन, स्विट्जरलैण्ड और यूके जैसे देशों पर अत्यधिक निर्भर है।

शीर्ष दस जेनेरिक कंपनियों में चार भारत की

दुनिया की शीर्ष 10 दवा कंपनियों में भारत की चार कंपनियां शामिल हैं। वहीं, वैश्विक बाजार में जेनेरिक दवा की हिस्सेदारी 71 फीसदी है। भारतीय कंपनियां सालाना 19.3 अरब डॉलर का दवा निर्यात दुनियाभर के देशों में करती है। इसमें 70 फीसदी राजस्व जेनेरिक दवा से कंपनियों को आता है। कोरोना संकट के बीच भारतीय दवा कंपनियों ने पूरी दुनिया को जरूरी दवा की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद की है। कोरोना का टीके बनाने वाली कंपनी भी भारत पर निर्भर है। ऐसे में इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं।

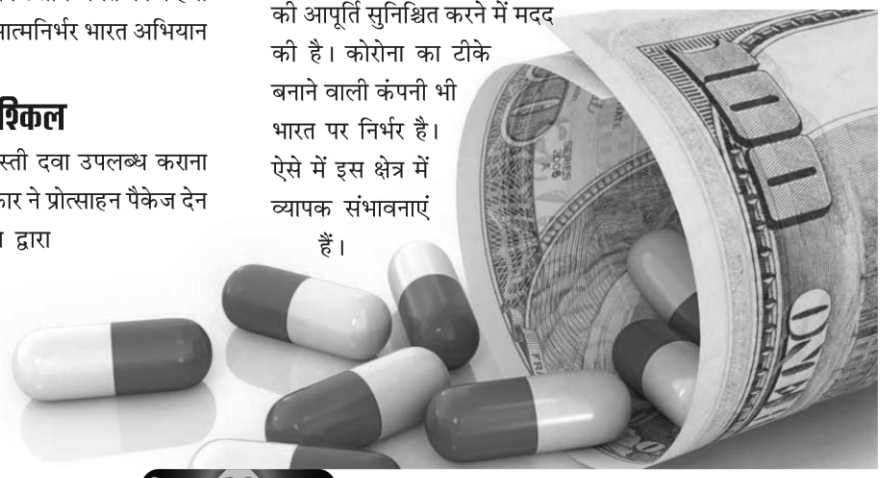

With Best Compliments

Lalit Choradiya
94141-57501
9414239531

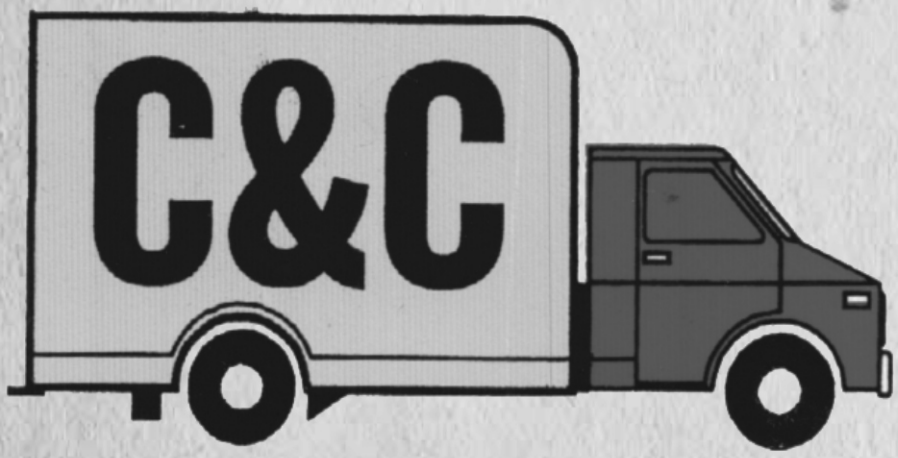

M/s. C & C

Sohan Sadan
Opp. Bhuwana By Pass,
Near PNB Bank
Bhuwana, Udaipur (Raj.)

jiyachordia18@yahoo.com

चटपटी गरमा गरम टिकिया

गुलाबी ठंड की दस्तक आप सुन भी रहे हैं और महसूस भी कर रहे हैं। ठंड का यह मौसम मन को गरम और स्वादिष्ट चीजें खाने को प्रेरित करता है। ऐसे में आप घर में ही गरमा-गरम चटपटी टिकियाएं बनाकर मौसम और स्वाद दोनों का आनंद लें। बाहर की चीजें खाना कोरोना के चलते ठीक भी नहीं है।

उर्वशी शर्मा

खोपरा टिकिया

सामग्री : घी-100 ग्राम, नींबू का रस एक बड़ा चम्मच, उबले और मैश आलू-चार, सौंठ, काली मिर्च पाउडर-आधा छोटा चम्मच, घी में तले हुए बादाम-10, मुनक्का-5-6, जीरा-एक छोटा चम्मच, नारियल का बूरा-तीन बड़े चम्मच, सिंघाड़े का आटा-एक बड़ा चम्मच, कद्दूकस कच्चा नारियल-दो बड़े चम्मच, बेसन-एक बड़ा चम्मच, जलजीरा-एक छोटा चम्मच, नमक-स्वादानुसार।

विधि : कड़ाही में घी डालकर जीरा तड़का लें। आलू, बेसन एवं सिंघाड़े का आटा डालकर सुनहरा होने तक पका लें। नारियल का बूरा, कद्दूकस किया नारियल, बादाम, मुनक्का एवं बाकी सारी सामग्री डालकर पका लें। तैयार मिश्रण ठंडा होने पर उसकी टिकिया बना नारियल के बूरे में अच्छी तरह चारों तरफ लपेट लें। तवे पर घी डालकर टिकिया सुनहरी होने तक सेकें।

मेवा टिकिया

सामग्री : काजू, पिस्ता, बादाम की टुकड़ी तली हुई-12, मुनक्का-15, अंजीर-चार, दूध में भीगी हुई केसर-एक चौथाई चम्मच, इलायची पाउडर-आधा छोटा चम्मच, जावित्री एवं जायफल पाउडर-आधा छोटा चम्मच, फीका मावा-50 ग्राम, नमक-स्वादानुसार, मध्यम आकार के उबले और मैश किए हुए आलू-तीन, मक्खन-100 ग्राम, कद्दूकस-गीला नारियल-दो बड़े चम्मच, मैदा-एक बड़ा चम्मच।

विधि : सारी मेवा दरदरी कर लें। कड़ाही में घी गरम कर नारियल का बूरा, मैदा, मावा एवं आलू को सुनहरा होने तक पका लें। मेवे छोड़कर बाकी सारी सामग्री डाल अच्छी तरह पका कर, ठंडा कर लें। मनचाहे आकार के सांचे से टिकिया बना लें। टिकिया को दरदरे मेवे में अच्छी तरह लपेट कर सुखा लें। नॉनस्टिक तवे पर मक्खन डालकर टिकिया सेकें। केसर, इलायची पाउडर डालकर परोसें।

चावल-दाल टिकिया

सामग्री : चावल-100 ग्राम, तूअर दाल-30 ग्राम, हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक का पेस्ट-एक बड़ा चम्मच, नमक, लाल मिर्च, धनिया-स्वादानुसार, हल्दी-एक चौथाई चम्मच, उबले, मैश आलू-दो, चने का आटा-दो बड़े चम्मच, नींबू का रस-एक चम्मच, हरा धनिया, जीरा-एक चम्मच, तेल-150 मिली, जलजीरा-एक चम्मच, राई तड़की हुई-दो चम्मच, गरम मसाला-एक चौथाई चम्मच, हींग-चुटकी भर, तले पिस्ते।

विधि : चावल, दाल कुकर में पका कर मैश कर लें। कड़ाही में तेल गरम कर जीरा एवं हींग का तड़का दें। आलू डाल सुनहरा होने तक पका लें। चावल, दाल, मसाले एवं सारी सामग्री डाल पका लें। तैयार मिश्रण को ठंडा कर उसकी टिकिया बना लें। सारी टिकिया को राई में चारों तरफ से लपेट कर कुछ समय सुखा लें। नॉनस्टिक तवे पर तेल डालकर टिकिया सेकें। पिस्ते से सजाकर परोसें।

मक्खन टिकिया

सामग्री : मध्यम आकार के उबले और मैश किए आलू-चार, नमक-स्वादानुसार, मक्खन-100 ग्राम, नींबू का सत यानी टार्टरिक एसिड-एक चौथाई चम्मच (चाहें तो नींबू का रस लें), अजवायन-दो छोटे चम्मच, शाही, जीरा-एक छोटा चम्मच, घी में तले हुए सफेद तिल-एक छोटा चम्मच (टिश्यू पेपर पर सुखा लें), कॉर्नफ्लोर-एक बड़ा चम्मच, जलजीरा-आधा छोटा चम्मच।

विधि : कड़ाही में मक्खन गरम कर मैश आलू डालकर सुनहरे होने तक पकाएं। अजवायन, शाही जीरा, सफेद तिल एवं बाकी सारी सामग्री डाल कर पका कर मिश्रण को ठंडा कर लें। तैयार मिश्रण की टिकिया बना लें। टिकिया को सफेद तिल एवं अजवायन में अच्छी तरह लपेट कर कुछ समय सुखा लें। नॉनस्टिक तवे पर मक्खन डाल सुनहरी होने तक सेकें। हरी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

मोगर टिकिया

सामग्री : मूंग का मोगर - 100 ग्राम, मध्यम आकार के उबले और मैश किए आलू-तीन, नमक एवं लाल मिर्च पाउडर-स्वादानुसार, तेल-100 ग्राम, हरा धनिया, हरी मिर्च एवं अरक का पेस्ट-एक बड़ा चम्मच, आमचूर पाउडर-एक बड़ा चम्मच, चने का आटा-दो बड़े चम्मच, सूखे नारियल का बूरा-एक बड़ा चम्मच, जीरा-एक छोटा चम्मच, चाट मसाला-एक छोटा चम्मच, सफेद तिल तवे पर सिके हुए-एक छोटा चम्मच, जलजीरा-एक छोटा चम्मच, दही-100 ग्राम, इमली एवं धनिया की चटनी-दो बड़े चम्मच प्रत्येक।

विधि : मूंग मोगर को दो घंटे पानी में भिगो कर मिक्सी में दरदरा पीस लें। कड़ाही में तेल गरम कर जीरा तड़का लें। मिर्ची, धनिया एवं अदरक की पेस्ट, आलू, मूंग मोगर, चने का आटा डाल सुनहरा होने तक पका लें। बाकी सारी सामग्री डाल पका लें। तैयार मिश्रण को ठंडा कर उसकी टिकिया बना लें। नारियल के बूरे एवं सफेद तिल में अच्छी तरह लपेट कर कुछ समय के लिए सुखा लें। तवे पर तेल डाल कर सेकें। दही, चटनी के साथ आप भी चटखारे लें और मेहमानों को भी परोसें।

लघुकथा

दीपक मेनारिया 'दीपू'

आज सुबह से ही रौनक शाम होने का इंतज़ार कर रहा था, एक-एक पल उसके लिये भारी पड़ रहा था, दीपावली के इस दिन का वह महीनों से इंतज़ार कर रहा था। आख़िर वो शाम आ ही गई। दीपावली की पूजा-अर्चना के बाद पापा, मम्मी और अपनी प्यारी बहना के साथ पटाखे फोड़ने के लिए घर के बाहर आ गया । पूरा परिवार पटाखे फोड़ने का आनंद लेने लगा । उनके इस आनंद को एक मैले-कुचैले कपड़े पहने बच्चा देख रहा था। मौका मिलने पर वह बच्चा उन पटाखों के समीप पहुंचा और एक पटाखे का डिब्बा उठा कर भागने लगा। उसको पटाखे चुराते देख रौनक उसे पकड़ने के लिये उसके पीछे भागा। आख़िर वह रौनक की जान चुरा कर ले जा रहा था।

कुछ ही दूरी पर कच्ची बस्ती में उसका घर था वह बाहर से ही चिल्लाया, 'भैया देखो मैं पटाखे लाया।' और नये कपड़े!' यह कहते हुये उसका भाई दौड़ कर बाहर आने लगा कि अचानक से दरवाजे से टकरा कर गिर पड़ा। वह दिव्यांग था। 'कपड़े तो नहीं मिले', थोड़ा ठहर कर वह बच्चा बोला। 'हम आज फिर नये कपड़े नहीं पहन पायेंगें', भैया बोला। रौनक को यह समझते देर नहीं लगी कि वह बच्चा जो उसके पटाखे उठा कर लाया है वह चोर नहीं है और अपने भाई के लिए उसने ऐसा किया है जो चल नहीं सकता ।

इधर रौनक को अपने पास नहीं पाकर सभी परिवारजन परेशान हो गये, तभी रौनक सामने से घर आता नजर आया। उसने अपने परिवारजनों को सारी बात बताई। सभी कुछ पटाखों, नए कपड़ों, मिठाइयों एवं दीयों के साथ उस बच्चे के घर पहुंचे और उन्हें दिये, साथ ही रौनक के परिवारजनों ने उस

दिव्यांग बच्चे का ऑपरेशन करवाया और उसे अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। आज रौनक और वह बच्चा बहुत खुश थे कि 'उनके जीवन की ये सबसे अच्छी और सच्ची दीपावली थी।'

कई रोगों का अकेला डॉक्टर

मधुर, शीतल और शुष्क प्रकृति का आंवला प्रकृति का नायाब उपहार है। यह वात, पित्त और कफ को दूर करता है। अनेक फायदों को देखते हुए आंवले को त्रिदोषनाशक भी कहा जाता है। विटामिन सी से भरपूर आवंला औषधीय गुणों से भरपूर है। इन दिनों इस मौसमी फल की बाजार में बहुत आवक है। आप इसकी चटनी, अचार, मुरब्बा, चूर्ण, जेली आदि बना सकते हैं और पूरे साल समय-समय पर उपयोग कर अपने को चुस्त-दुरुस्त रख सकते हैं।

वैद्य शोभालाल औदिच्य

आंवला मानव शरीर को निरोग रखने, कई रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करने वाला एक अत्यन्त गुणकारी फल है। यह हर उम्र के स्त्री-पुरूष व बच्चों के लिए लाभदायक है। आंवले का रस रक्तशोधक होता है। जिससे पिंपल्स या दानों के उपचार में मदद मिलती है। आंवला एक तरह से कई रोगों का सहज-सुलभ डॉक्टर है। इसके सेवन से हृदय की मांसपेशियां निरोग रहती हैं। हृदय स्वस्थ रहता है। हृदय की नलिकाओं में आने वाली रूकावटें दूर होती हैं। खराब कॉलेस्ट्रोल को खत्म कर अच्छे कॉलेस्ट्रोल के निर्माण में सहायक बनता है।

इसके और भी फायदे

- डायबिटीज के मरीजों के लिए एक चम्मच सूखे आंवले के चूर्ण के साथ चुटकी भर हल्दी मिला कर सुबह-शाम भोजन से पहले खाना फायदेमंद है। आंवले और जामुन का 2-2 चम्मच रस दिन में दो बार लेने से आराम मिलता है।
- सूखे आंवले का एक चम्मच बारीक चूर्ण गाय के दूध के साथ सुबह-शाम सेवन करने से बवासीर में फायदा होता है।
- नकसीर आने पर बारीक पिसा आंवला बकरी के दूध में मिला कर पिएं। मस्तिष्क पर इसका लेप लगाएं, खून निकलना बंद हो जाएगा।
- दिल के मरीजों को दिन में कम-से-कम तीन आंवलों का सेवन करने से लाभ मिलता है।

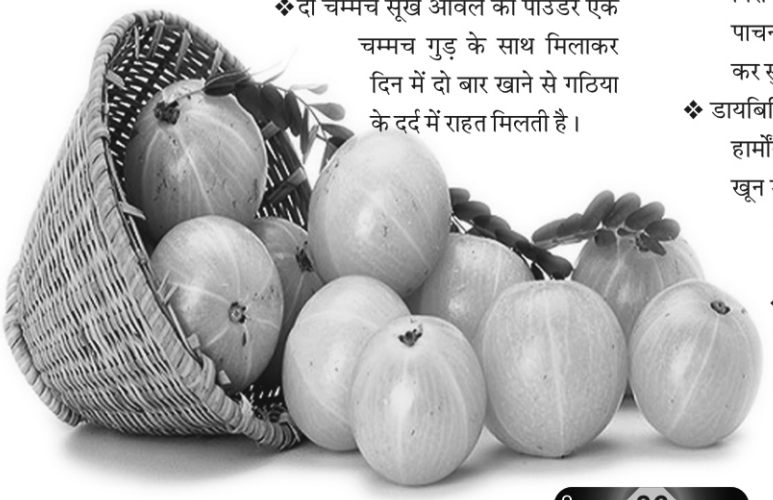

- दो चम्मच सूखे आंवले का पाउडर एक चम्मच गुड़ के साथ मिलाकर दिन में दो बार खाने से गठिया के दर्द में राहत मिलती है।
- अम्लीय वस्तुओं से लीवर में विकार होने पर रोजाना दो बार दूध के साथ आंवले का चूर्ण लें। एक ग्राम आंवले का पाउडर एक चम्मच चीनी में मिला कर पानी के साथ दिन में दो बार लें।
- खांसी और बलगम होने पर दिन में 3 बार आंवले के मुरब्बे का सेवन गाय के दूध के साथ करें। आंवले को शहद के साथ खाएं।
- पथरी होने पर सूखे आंवले का चूर्ण मूली के रस में मिला कर 40 दिन तक सेवन करने से आराम मिलता है।
- आंवला के सेवन से शरीर की हड्डियों को ताकत मिलती है। ऑस्टोपोरियोसिस और आर्थराइटिस एवं जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलता है।
- पेशाब में जलन होने पर आंवले का रस शहद में मिला कर सेवन करें।
- बालों के पोषण और डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सूखे आंवले को लोहे की कढ़ाई में रात भर भिगो दें। सुबह हाथ से अच्छी तरह पीस कर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में एक नींबू का रस मिला कर बालों में लगाएं, काफी लाभ होगा।
- आंवला का रस आंखों के लिए बहुत लाभप्रद है। यह आंखें की दृष्टि बढ़ाता है। यह मोतियाबिंद, रतोंधी और कलर ब्लाइंडनेस से परेशान मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- आंवला मेटाबोलिक क्रियाशीलता को बढ़ाता है। इससे हमारा शरीर निरोग होता है। आंवला भोजन को पचाने में मदद करता है। यह पाचनक्रिया में मददगार होता है। अगर पांच ग्राम चूर्ण पानी में भिगो कर सुबह-शाम लें तो खट्टे डकार व गैस की शिकायत दूर होती है।
- डायबिटिक मरीज को आंवला से बहुत लाभ होता है। आंवला इंसुलिन हार्मोंस को सुदृढ़ करता है। इसमें क्रोमियम तत्व पाया जाता है। यह खून में शुगर की मात्रा को नियंत्रित करता है। आंवला के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से डायबिटीक मरीज को बहुत फायदा होता है।
- आंवला का चूर्ण मूत्र संबंधी विकारों से राहत दिलाता है। आंवला के पेड़ की छाल और इसकी पत्तियों को पानी में उबाल कर छान लें और उसका सेवन करें तो किडनी में होने वाले संक्रमण में बहुत आराम मिलता है।

Aashirwad Minerals & Marbles

Mfg. of Soap Stone Powder (Talc Powder), Calcium Carbonate Powder
China Clay Powder, Silica Powder & Dolomite Powder

Office :
E-93, Pratap Nagar,
Udaipur - 313001 (Raj.) INDIA

Factory :
Jyoti Mineral Industries
Plot No. G-1-80, IID Centre
RIICO Ind. Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

Telefax : 0294-2490194 | E-mail : ashirwadtalc@yahoo.com | www.ashirwadminerals.com

With Best Compliments from

ORIENTGLAZES
INNOVATE TO CREATE

NAHAR
COLOURS & COATING PVT. LTD.

Registered & Head Office :
NCCL House, Sukher Industrial Park,
Udaipur-313004 INDIA
Tel : ++91-294-2440307
E-mail: nccl@naharcolours.com | Web: www.naharcolours.com

रूद्रवीणा वादन के पुरोधा पं. राजशेखर

ध्रुपद संगीत मर्मज्ञ, शिक्षाविद् एवं बहुमुखी-बहुआयामी व्यक्तित्व डॉ. राजशेखर व्यास मेवाड़ अंचल के ऐसे रत्न थे, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से पूरे देश को चमत्कृत किया। 15 अक्टूबर 2020 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। वे प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन में सिद्धहस्त, वास्तुशास्त्री, ज्योतिष मर्मज्ञ एवं वेदान्त तत्ववेत्ता थो। उनका जन्म 4 अप्रेल 1938 को पंडित पुरूषोत्तम लाल व्यास-रूक्मिणी देवी दम्पत्ति के घर हुआ। उनके बांसुरी वादन से प्रभावित तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से उन्होंने सम्मान तो पाया ही साथ ही शिक्षा, संगीत, इतिहास और कला के क्षेत्र में भी वे अनेक संस्थाओं से सम्मानित हुए। वे ध्रुपद रूद्र वीणा के पुरोधा हस्ताक्षर थे। मेवाड़ की स्थापत्य कला के साथ अन्य कलाओं व संस्कृति की लेखन व साधना से प्रस्तुति के लिए 1983 में उन्हें महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन ने भी सम्मानित किया था। उन्होंने अनेक नगरों-महानगरों में भी प्रसिद्ध ध्रुपद गायक पद्मश्री उमाकान्त-रमाकान्त गुंदेचा बन्धुओं के साथ गायन व रूद्र वीणा वादन किया। उन्होंने लगभग 500 से अधिक राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय एवं अंत:राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों, व्याख्यानमालाओं व कार्यशालाओं में सहभागिता की। शिक्षा, इतिहास, कला और संस्कृति के क्षेत्र में पीएचडी करने वाले अनेक छात्रों का मार्गदर्शन किया। भारत, राजस्थान और मेवाड़ के इतिहास और कला से सम्बन्धित अनेक पुस्तकों के वे लेखक थे। उनसे मेरा सम्पर्क सन 80 के दशक में बतौर शिक्षक हुआ। इसके बाद तो अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन-संयोजन में सदा मार्गदर्शक के रूप में रहे। उन दिनों मैं स्थानीय तैयबियाह सैकण्डरी स्कूल में सेवाएं दे रहा था। उदयपुर के स्थापना दिवस समारोह को सार्वजनिक रूप से मनाने की जब महाराणा कुम्भा कला क्षेत्र के संस्थापक एवं शास्त्रीय संगीतज्ञ चन्द्रगंधर्व ने पहल की थी तब उदयपुर स्थापना दिवस तिथि को लेकर जो विवाद सामने आया उसके समाधान में हमने सर्वसहमति बनाने के लिए विद्वानों-इतिहासकारों से कला क्षेत्र के मंच पर (गुलाबबाग-राजस्थान विद्यापीठ, नेहरू बालोद्यान) नियमित गोष्ठियां कर तार्किक आधार पर अक्षय तृतीया को उदयपुर स्थापना दिवस मनाने का निर्णय किया। जिसे मेवाड़ के पूर्व राजघराने का भी समर्थन मिला। महन्त मुरली मनोहर शरण शास्त्री, पंडित जनार्दन राय नागर, एडवोकेट अक्षय सिंह देवपुरा, ठाकुर देवकर्ण सिंह राठौड़, डॉ. ब्रजमोहन जावलिया, डॉ. महेन्द्र भानावत, के. एस. गुप्ता, तेजसिंह तरूण, भंवर सेठ, गिरीशनाथ माथुर, पं. अक्षय कीर्ति व्यास, विश्वेश्वर शर्मा, नंद चतुर्वेदी, जसवंतसिंह सिंघवी सहित अन्य विद्वतजन शामिल थे। पंडित राजशेखर व्यास ने इतिहास के तथ्यों व प्रमाणों से परिश्रमपूर्वक जुटाया था। पं. राजशेखर राजस्थान विद्यापीठ के साहित्य संस्थान और उसके द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका के सलाहकार भी रहे। उन्होंने फिल्म निर्माता विक्की राणावत की फिल्म वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के लिए पटकथा और संवाद लेखन में भी सहयोग किया। भारतीय शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद विधा के विकास क्रम और वर्तमान स्थिति पर शोध के लिए केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी से उन्हें रिसर्च फैलोशिप भी प्राप्त की। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी शकुन्तला देवी, पुत्र राजेन्द्र शेखर, सोमशेखर, डॉ. कुलशेखर व पुत्री राजश्री मेहता व उनका समृद्ध, सम्पन्न एवं संस्कारित परिवार छोड़ गए हैं। 'प्रत्यूष' परिवार से सम्बद्ध सनत जोशी के वे बड़े बहनोई थे। उनके निधन पर विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक व सांस्कृतिक संगठनों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों ने दु:ख व्यक्त किया है।

- विष्णु शर्मा हितैषी

कैसा लगा यह अंक

इस अंक का कौन सा आलेख आपको अपेक्षा ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। पया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

pankajkumarsharma2013@gmail.com

युवाओं के लिए डाइट चार्ट

सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का है। इस समय डाइजेशन सिस्टम पूरी क्षमता से काम करता है। सभी हैवी डाइट खाना पसन्द करते हैं। ड्राईफ्रूट्स और नट्स मेन्यू में शामिल किए जाते हैं। हैवी डाइट की शर्त है कि उसके साथ कसरत भी खूब की जाए। हम जैसा भोजन करते हैं, उसका असर हमारे तन व मन दोनों पर होता है। मौसम के बदलते ही अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए हमें अपने भोजन में कुछ फेरबदल करने होते हैं।

डॉ. अनिता शर्मा

हेल्थ कांशियस युवाओं के लिए यह मौसम चुनौतियों से भरा है। सर्द मौसम में व्यायाम कर अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है साथ ही ऐसा आहार जिनकी कम मात्रा लेने पर भी उनके शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। सर्दी के मौसम में लो फैट विद् हाई कैलोरी से भरपूर भोजन को अपने डाइटचार्ट में शामिल कर अपने शरीर के बढ़ते वजन को नियंत्रित रख पाएंगे। इस मौसम में शरीर से थकान व आलस्य को दूर भगाने और दिन भर स्फूर्ति और ऊर्जा से भरपूर रहने के लिए निम्नानुसार - डाइट चार्ट बनाया जा सकता है।

ब्रेकफास्ट सुपर

सुबह का नाश्ता ऊर्जा देता है। नाश्ते में अंडे के साथ ब्रेड, उपमा, सैंडविच, डोसा, हैवी फ्रूट कस्टर्ड आदि ले सकते हैं। रोजाना नाश्ते के बाद मलाई निकले हुए एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना न भूलें। इन सबके साथ एक प्लेट फ्रूट अलग से या वेजीटेबल सलाद आपके नाश्ते को कम्पलीट करेंगे।

लंच स्पेशल

दोपहर के भोजन में हरी सब्जी, चपाती, ताजा दही या छाछ, छिलके वाली दाल के साथ चावल और गरमा-गरम सूप ले सकते हैं। लंच में हरी-चटनी भोजन में मल्टीविटामिन्स की कमी को पूरा करती है।

डिलीशियस डिनर

सर्दियों में रात को आप जल्दी भोजन करने की आदत डालें। रात का भोजन आपके दोपहर के भोजन की अपेक्षा हल्का होना चाहिए। रात को भोजन में आप खिचड़ी या दलिया जैसे हल्के भोजन का सेवन करें। सोने से कम से कम 4 घंटे पहले भोजन करने से शरीर में भोजन का पाचन अच्छे से होता है। रात को सोने से पहले हल्दी या अदरक मिले एक गिलास गर्म दूध का सेवन अवश्य करें।

दृष्टिबाधिता का बढ़ रहा खतरा

ज्यादा प्रदूषित इलाके में रहने से अंधे होने का खतरा बढ़ सकता है। एक शोध में यह दावा किया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ज्यादा प्रदूषित इलाकों में रहने वाले लोगों में स्वच्छ इलाकों में रहने वालों की तुलना में ग्लूकोमा (आंख से संबंधित बीमारी) होने का खतरा छह फीसदी तक बढ़ जाता है।

रक्त धमनियां हो जाती हैं संकुचित : दुनियाभर में छह करोड़ लोग ग्लूकोमा की बीमारी से ग्रस्त है। इनमें से दस फीसदी की दृष्टि जा चुकी है। यह बीमारी रेटिना में मौजूद कोशिकाओं के मृत होने से होती है। यूके में पांच लाख और अमेरिका में 27 लाख लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि वायु प्रदूषण के कारण रेटिना के पीछे मौजूद रक्त धमनियों के संकरे होने से कोशिकाएं मृत हो जाती हैं या किसी जहरीले रसायन के सीधे आंखों में जाने से नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। सूक्ष्म प्रदूषक तत्व जो वाहनों से निकलते हैं सांस के जरिए फेफड़ों में जाते हैं और रक्त में मिल जाते हैं। रक्त में मौजूद प्रदूषक रक्त धमनियों और तंत्रिकाओं को संकरा कर देते हैं और इससे रक्तचाप बढ़ जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने 111,370 प्रतिभागियों के डाटा का विश्लेषण किया। यह डाटा यूके बायोबैंक से लिया गया था और इन प्रतिभागियों की आंखों की जांच 2006 से लेकर 2010 के बीच में की गई थी। फिर प्रतिभागियों के निवास स्थान की जानकारी के आधार पर वायु प्रदूषण के स्तर की तुलना की गई। जो सबसे प्रदूषित इलाके में रहते थे उनमें ग्लूकोमा होने का खतरा छह फीसदी ज्यादा था।

प्रत्यूष

दक्षिण-पश्चिम में हो मुखिया का शयन कक्ष

✍ डॉ. भवानी खण्डेलवाल

व्यक्ति का शारीरिक स्वरूप जैसा बाहर से दिखता है दरअसल वह मात्र वैसा ही नहीं होता। अस्थिमज्जा, चर्म, रक्त और नाड़ी तंत्र के अलावा भी मानव शरीर में ऐसे तत्व होते हैं, जिनका उसके व्यक्तित्व पर असाधारण प्रभाव पड़ता है। मानव शरीर के पृष्ठ भाग में स्थित मेरुदंड को शरीर का आधार कहा जाता है, जबकि वायुमण्डल चेतना के प्रवाह का माध्यम है, जो मेरुदंड से जुड़ा होता है।

मेरुदंड में सात संवेदनशील शक्तिस्थल-मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनाहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार उपस्थित हैं, जिनका वर्णन योगशास्त्र में चक्रों के रूप में किया गया है। उपरोक्त शक्तिस्थलों में से मूलाधार चक्र मेरुदंड के सबसे निचले भाग में अवस्थित होता है। यह कमलदल के आकार का, चार पंखुड़ियों वाला तथा रक्तिम वर्ण का होता है। इसका लोक भूलोक है। इसलिए यह भूमि तत्व का माना जाता है और इसका वाहन गज है। सृष्टि निर्माता ब्रह्मा को इसका देवता कहा जाता है। इसकी प्रमुख शक्ति डाकिनी है। इसका यंत्र चतुष्कोणीय, ज्ञानेन्द्रिय नासिक तथा कर्मेन्द्रिय गुदा है। इसका बीजमंत्र 'लं' है। मूलाधार के केन्द्र में एक लाल त्रिभुज होता है, जिसका सिरा नीचे की ओर होता है। ऐसी मान्यता है कि इस त्रिभुज में धुएं के वर्ण का शिवलिंग अवस्थित होता है।

मूलाधार को शरीर का मूल केन्द्र भी कहा जाता है, क्योंकि यह प्राथमिक महत्व की शक्ति अर्थात् कुंडलिनी का निवास स्थल है। यह शक्ति, सर्प रूप में गहन निद्रावस्था में हैं, जो शिवलिंग के चारों ओर कुंडली मारे हुए रहता है। ब्रह्मांड एवं मानवीय शक्तियों का यही केन्द्र है, जिसका प्रकटीकरण कामशक्ति, संवेदना, आत्मिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के रूप में परिलक्षित

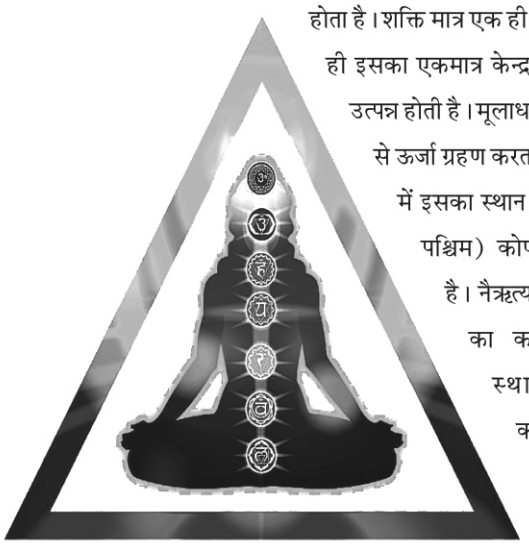

होता है। शक्ति मात्र एक ही है, और मूलाधार ही इसका एकमात्र केन्द्र है, जहां से यह उत्पन्न होती है। मूलाधार चक्र भूमि तत्व से ऊर्जा ग्रहण करता है। वास्तु शास्त्र में इसका स्थान नैऋत्य(दक्षिण-पश्चिम) कोण में माना जाता है। नैऋत्य कोण की ऊर्जा का कार्य जीवन को स्थायित्व प्रदान करना है, जो कि उचित वास्तु ऊर्जा के अभाव में जीवन को अस्थिर बना देता है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि किसी भी वास्तु में नैऋत्य कोण को सबसे ऊंचा और भारी होना चाहिए। चूंकि नैऋत्य कोण का संबंध भूमि तत्व से होता है। अत: इसे स्थायित्व, पोषण, सहनशीलता और सुगंध से संबंधित माना जाता है। व्यक्ति के जीवन में नैऋत्य कोण का विशेष स्थान है, क्योंकि यह सांसारिक सुखों के उपभोग का कारक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार नैऋत्य कोण यदि वास्तु सम्मत न हो तो वह व्यक्ति के जीवन में शारीरिक एवं सांसारिक सुखों में कमी कर सकता है। ऐसा होने पर वायु तंत्र की व्यग्रता, कब्ज, साइटिका, भय, धन का अपव्यय एवं तनावपूर्ण जीवन भी संभव है। इसके कारण व्यक्तित्व भी प्रभावहीन होकर शारीरिक एवं मानसिक विकारों का जीवन में आधिक्य हो जाता है। इनसे बचने का सबसे बढ़िया और वास्तु सम्मत उपाय इस कोण को व्यवस्थित करना है। इसका विकल्प इस कोण में गृहस्वामी के शयन कक्ष का निर्माण है, जो उसके लिए स्थायित्व का मार्ग प्रशस्त करेगा है।

वैसे सुविधा के अनुसार इसे घर दक्षिण भाग में भी बनवाया जा सकता है। इसकी आकृति आयताकार हो, तो बेहतर है। साथ ही शय्या का स्थान भी कक्ष के दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए। उसके आसपास भ्रमण योग्य जगह अवश्य होनी चाहिए।

इसकी सफाई नित्य करें और वातावरण को सुगंधित रखें। शयन-कक्ष की दीवारें, परदे व आंतरिक साज-सज्जा में यथासंभव गुलाबी या अन्य सौम्य रंग का प्रयोग लाभदायक हो सकता है। इससे मन प्रफुल्लित रहता है। गोपनीयता शयन-कक्ष का विशेष गुण है अत: इसे आंतरिक एवं ब्राह्य व्यवधानों से मुक्त होना चाहिए। कक्ष में यदि ड्रेसिंग टेबल रखनी हो, तो इसे पूर्व या उत्तर दिशा में ही रखें। यदि वस्त्रों को रखने के लिए अलमीरा का प्रयोग करना हो, तो उसका मुख उत्तर या पूर्व दिशा में श्रेयस्कर होगा। जिस अलमीरा में कीमती आभूषण व नकदी आदि रखी जाएं उसके दरवाजे उत्तर की ओर ही खुलें, तो बेहतर होगा है।

अब ये सब कहां?

- बद्धों के हंसली और कडूला, चोटी वाला झगला और जडूला, चांद पातड़ी डोवटी का पोतड़ा, लकड़ी का चौपड़ा, झुनझुनियों की तागड़ी, लकड़ी का रेहडू और लकड़ी के खिलौने-अब कहाँ?
- घी का झाकरा, छाछ का बिलोवणा, दूध की कढ़ावणी, कुलड़ी में घी और पली, दूध का पलिया, छींके और छाबड़ी, जौ-चने की रोटी, और शक्कर में घी अब कहाँ?
- मिट्टी के चूल्हे, मिट्टी की परात, तवा और झाबली, बर्तन मांजण की राख, सांगर की कढ़ी, फोग का रायता, राबड़ी और अंगाकड़ा, खीर और लापसी, चने की भाजी अब कहाँ?

- कड़ी छेलकड़ा, नेवरी-पाती, पैर की कड़ियां, कमर की तागड़ी, आंगी और लूगड़ी, जलेबियों की चौकड़ी, मिलकर लड्डू बांधना, ठण्डाई का शर्बत, अब कहाँ?
- भरतियां और देगची, बिन पैंदे का लोटा, पीतल का बड़ा गिलास, फूंक मारने की फूंकनी, लाव और चिड़स, पानी के धोरे किल्ली और झोला, बारियों के बारे, काठ का भून और चाक, अब कहाँ?
- बछड़ों की कूद, पशुओं की झूल, खुरों से उठती धूल, पहियों की चूं-चूं , जूती की मरड़-मरड़, बरात में घी बूरा, तीन दिन की बारात, अन्धेरी रात में पेट्रोमेक्स की रोशनी-अब कहाँ?
- कुएं की नेजू बालटी, बिलाई लोहे की, भैसों का रेला, गांव में हेला, बैलों की जोड़ी, छबीली घोड़ी, ऊँट की कूंची और न्योल, चौसंखी जैसी बाड़ की खेई-अब कहाँ?
- रथ और बहल, बटेऊ की टहल, सालियों के सीठणे, ईडी और बीजणे, कपड़े के थैले, डोवटी की चादर और सौड़, सदाबहार गूदड़ी, हांडी और चाटू, हारी और खारी, लकड़ी की ताखड़ी, आना, पैसा, पाई सेर और छंटाक, तोला माशा रत्ती, चिरमठी अब कहाँ?
- बैठकों में सूत और सण के पिलंग, तवों का बाजा, ताऊ झगडूं की बात, मूंज कूटणा, जेवड़ी बंटणा, मांई गूथना, चौफूलियें की खाट भरना, आपस में हंसी मजाक करना-अब कहाँ?

✍ देशराज आर्य

Hotel
Raj Shree Palace

The Royal & Luxury Stay

Opp. Garden Hotel, Gulab Bagh Road, Udaipur - 313001, Ph. : 0294-6505060
E-mail : hotelrajshreepalaceudr@gmail.com, Website : www.hotelrajshreepalace.com

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
7 दिसम्बर	मार्गशीर्ष कृष्णा सप्तमी	कालभैरव अष्टमी
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष कृष्णा एकादशी	साईबाबा जयंती
19 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी	श्री राम जानकी विवाह
25 दिसम्बर	-	क्रिसमस (बड़ा दिन)
	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	गीता जयंती
29 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी	दत्तप्रभु जयंती

मेष

माह का उत्तरार्द्ध अत्यधिक उत्साहवर्द्धक होगा। कैरियर में आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे, पारिवारिक जीवन से सन्तोष मिलेगा, आमोद-प्रमोद के अवसर प्राप्त होंगे परन्तु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना होगा, शासकीय मामले पक्ष में रहेंगे, आय में वृद्धि होगी।

वृषभ

खर्चों में बढ़ोतरी, विद्यार्थी वर्ग को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, नौकरीपेशा जातकों के लिये समय अच्छा है, कारोबारियों को व्यापार में सफलता प्राप्त होगी, पारिवारिक जीवन में परेशानियां सम्भव, छाती एवं पैरों से सम्बन्धित कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

कैरियर की दृष्टि से यह माह चुनौतीपूर्ण हो सकता है, व्यवसायियों में निराशा होगी। आय कम एवं व्यय की अधिकता, विद्यार्थी वर्ग को अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता रहेगी। सेहत के प्रति तनिक भी लापरवाह न रहे, माह का उत्तरार्द्ध अच्छे परिणाम वाला होगा।

कर्क

विद्यार्थी रचनात्मक कार्यों में सफल रहेंगे, माह का पूर्वार्द्ध अच्छे संकेत देगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, संतान पक्ष से परम संतोष मिलेगा, व्यापार एवं कारोबार में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जीवन अच्छा बीतेगा। किसी लम्बी व्याधि से ग्रसित हैं तो निजात मिल सकती है।

सिंह

करियर में तरक्की की प्रबल सम्भावना, नौकरी में पदोन्नति के अवसर, व्यापार से जुड़े जातकों को लाभ मिलेगा, आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा, कर्ज चुकाने में भी सफल रहेंगे। पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि संभव, पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या

कार्य क्षेत्र में निखार आयेगा, विद्यार्थी वर्ग के लिए समय सामान्य, व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। पारिवारिक जीवन श्रेष्ठ, सन्तान पक्ष से सन्तुष्टि, आय में उतार-चढ़ाव का अनुभव करेंगे, आकस्मिक दुर्घटना की संभावनाएं बन सकती हैं।

तुला

कार्य क्षेत्र में अच्छे अवसर प्राप्त होंगे एवं जमकर मेहनत करेंगे, व्यापार से जुड़े जातकों का समय श्रेष्ठ रहेगा। व्यापार में निवेश लाभ दिलायेगा, आय-व्यय में पर्याप्त सन्तुलन, बचत भी होगी। परिवार में मांगलिक कार्य, विद्यार्थी वर्ग के लिए समय कठिन रहेगा, स्वास्थ्य मध्यम रहे।

वृश्चिक

असमंजस की स्थिति रहते हुए भी मनोनुकूल फल की सम्भावना रहेगी। व्यापारी वर्ग की परेशानियों का दौर खत्म होगा, मानसिक सुकून मिलेगा, अनपेक्षित खर्चे हो सकते हैं, परिवार में किंचित परेशानियां आ सकती है, आँख, कान या छाती से जुड़ी बीमारी उभर सकती है।

धनु

अपने ही लोगों के विरोध का सामना, सहकर्मियों से भी सावधानी आवश्यक है। व्यापार वृद्धि के अच्छे अवसर, लेकिन सावधान रहे। परिवार में अचानक क्लेश संभव, दिनचर्या को व्यवस्थित रखें वरना स्वास्थ्य बिगड़ेगा।

मकर

जीवन के स्थायी कार्यों पर विशेष ध्यान देवें एवं सफल भी रहेंगे, कुछ नई योजना बना सकते हैं, कर्म क्षेत्र में निखार आयेगा, विद्यार्थी वर्ग खिन्नता का अनुभव करेगा, पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिल सकता है, वरिष्ठजन का लाभकारी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शरीर के बाएँ भाग में कष्ट हो सकता है।

कुम्भ

जीवन साथी या साझेदारी के सहयोग से कोई बड़ी सफलता मिल सकती है एवं पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी। स्थान परिवर्तन भी संभव है, आर्थिक पक्ष कमजोर रह सकता है, लॉटरी, सट्टा तथा जुआ जैसे कृत्यों से दूर रहें वरना मान व अर्थ की भारी हानि होगी।

मीन

आय पक्ष सुदृढ़, कर्म क्षेत्र में चुनौतिया, परन्तु पराक्रम से सफल होंगे, क्रोध की अधिकता रहेगी, पारिवारिक जीवन में सुसमाचार की प्राप्ति होगी, व्यापार में लाभ प्राप्त होगा, विद्यार्थी वर्ग को सन्तोष, आँखों का विशेष ख्याल रखें, शांतचित्त रहना ही इस माह अधिक हितकर होगा।

यूसीसीआई वार्षिक चुनाव : कोठारी बने अध्यक्ष

सिंघल पुनः संरक्षक निर्वाचित

उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की वार्षिक साधारण सभा की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से 5 नवम्बर को हुई। इसमें कोमल कोठारी सत्र 2020-2021 के लिए अध्यक्ष व हेमन्त जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। चुनाव में 459 सदस्यों ने मताधिकार का उपयोग किया।

पूर्वाध्यक्ष वीरेन्द्र सिरोया, हंसराज चौधरी, विजय गोधा उपाध्यक्ष चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बड़े एवं मध्यम उपक्रम श्रेणी के कुणाल बागला, श्रीमती श्वेता दुबे, सन्दीप बापना, मानिक नाहर, राजेन्द्र कुमार हेड़ा, सुभाष सिंघवी, राजेन्द्र कुमार चण्डालिया, प्रखर बाबेल, नरेन्द्र धींग, उमेश मनवानी, अचल एन. अग्रवाल, अरविन्द मेहता, अंकित सिसोदिया, ओमप्रकाश अग्रवाल व चेतन चौधरी। ट्रेडर्स(व्यापारी) वर्ग में जतिन नागौरी, अरिहन्त दुगड़, प्रतीक नाहर। प्रोफेशनल्स तथा शैक्षणिक संस्थान वर्ग में सुनील अग्रवाल, कर्तव्य शुक्ला। महिला सदस्य वर्ग में श्रीमती रुचिका गोधा, श्रीमती हसीना चक्कीवाला। मेम्बर बॉडिज एवं एसोसिएशन वर्ग में ओम प्रकाश नागदा, केजार अली तथा हितेश पटेल निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कोठारी ने उदयपुर संभाग के उद्यमियों एवं व्यवसायियों की विभिन्न कठिनाइयों को दूर करने का संकल्प जताया। उल्लेखनीय है कि कोठारी 1995 से 97 तक दो कार्यकाल में भी अध्यक्ष रह चुके हैं।

सिंघल पुनः संरक्षकः कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक कोमल कोठारी की अध्यक्षता में यूसीसीआई भवन के अरावली सभागार में हुई। इसमें नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों एवं यूसीसीआई के सभी पूर्वाध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से निवर्तमान संरक्षक अरविन्द सिंघल को यूसीसीआई के संविधान की धारा 2.2.1 के अनुसार आगामी तीन वर्ष के लिए पुनः यूसीसीआई का संरक्षक निर्वाचित किया गया। बैठक के एजेन्डानुसार वर्ष 2020-21 के लिए कार्यकारिणी समिति में दो सदस्यों डॉ. अंशु कोठारी एवं संजय सिंघल का सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सहवरण भी किया गया।

शिक्षा से ही महिलाओं में जागरूकता : सारंगदेवोत

ब्रांड एम्बेसेडर करिश्मा हाडा का सम्मान

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने राजस्थान महिला उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त निर्भया नशा मुक्ति केन्द्र तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसेडर करिश्मा हाडा का गत दिनों महिला सशक्तिकरण, कोविड वॉरियर में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह, शॉल उपरणा पहनाकर सम्मान किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि नारी सम्मान और सुरक्षा उनके स्वावलंबन से जुड़ी है। जहां महिलाओं का सम्मान किया जाता है और वहां ईश्वर निवास करता है। हम घर से नारी का सम्मान करें, आत्मदर्शन का विचारों में ही नहीं आचरण में भी माँ, बेटी, बहन, पत्नी का सम्मान और सुरक्षा करें। शिक्षा से ही महिलाओं में जागरूकता आएगी।

लक्ष्यराज कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित

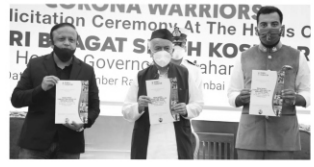

उदयपुर। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित किया। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को यह सम्मान कोरोना काल में जरूरतमंदों की सेवा और मदद के लिए दिया गया है। मेवाड़ ने इससे पूर्व वस्त्रदान के बाद पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने के लिए 20 सेकंड में 4035 पौधे लगाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

टेनिस संघ के उपाध्यक्ष बने दीपांकर

उदयपुर। राजस्थान टेनिस संघ के शिवपुरी गुट एवं संजय दीक्षित गुट के विलय के पश्चात् सम्पन्न राजस्थान टेनिस संघ के चुनाव में उदयपुर जिला टेनिस संघ के मानद सचिव दीपांकर चक्रवर्ती राज्य टेनिस संघ के उपाध्यक्ष चुने गए।

सनाढ्य सरिता का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मण्डल की पत्रिका-सनाढ्य सरिता-दीपावली अंक का विमोचन अस्थल मंदिर में हुआ। मुख्य अतिथि महन्त रास बिहारी शरण थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेन्द्र सनाढ्य, डॉ. अनिल शर्मा एवं सत्यनारायण गौड़ थे। अध्यक्षता अम्बालाल सनाढ्य ने की।

निरंजन आर्य नए मुख्य सचिव

जयपुर। राजस्थान के नए मुख्य सचिव के रूप में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वरिष्ठ आईएएस निरंजन आर्य को नियुक्त किया है। जिन्होंने 1 नवम्बर को कार्यभार ग्रहण कर लिया। केन्द्र सरकार से राजीव स्वरूप की सेवाओं को 6 माह के विस्तार देने को राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी न मिलने पर मुख्यमंत्री ने अपने विश्वसनीय आर्य की नियुक्ति की। एक कुशल प्रशासनिक अधिकारी की छवि रखने वाले जैतारण निवासी आर्य बचपन से ही मेधावी व संघर्ष प्रिय रहे हैं। 1989 में भाप्रसे में चयनित होने के बाद व विभिन्न जिलों में जिला कलक्टर रहे। उनकी पत्नी डॉ. संगीता आर्य को हाल ही में राज्य सरकार के आरपीएससी का सदस्य बनाया है।

डॉ. वत्स को मिलेगी फैलोशिप

उदयपुर। उदयपुर के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. ए के वत्स को ग्लासगो यूनाइटेड किंगडम के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एंड सर्जन ने फैलोशिप प्रदत्त कर सम्मानित करने का अनुमोदन किया है। ये फैलोशिप प्रत्येक वर्ष विश्व में मेडिसिन क्षेत्र के गिने-चुने चिकित्सक-विज्ञानियों को दी जाती है।

सुराणा वाइस प्रेसिडेंट

उदयपुर। अनुष्का ग्रुप के निदेशक राजीव सुराणा कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(सीएफआई) के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट(राजस्थान) नियुक्त किए गए। सीएफआई पूरे भारत के कोचिंग संचालकों द्वारा शिक्षकों एवं पढ़ रहे विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों के हित एवं सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती है।

डॉ. सरीन चौथी बार बने एक्जिक्यूटिव मेंबर

उदयपुर। भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के वार्षिक चुनाव में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के बाल विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र सरीन को राजस्थान का एक्जिक्यूटिव मेंबर चुना गया। डॉ. सरीन वर्ष 2021 में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे लगातार चौथी बार प्रतिनिधि चुने गए हैं।

प्रवेश राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

उदयपुर। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में प्रवेश भादविया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष शुक्ला ने बताया कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन का एक वैश्विक संगठन है, भादविया को एक साल के लिए नियुक्त किया गया है।

खण्डेलवाल को पीएचडी

उदयपुर। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण खण्डेलवाल को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन संकाय में उदयपुर शहर के जन सूचना अधिकारी एवं सूचना चाहने वाले के बीच सूचना के अधिकार की जागरूकता पर एक प्रयोगात्मक अध्ययन विषय पर शोध कार्य करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने यह शोध कार्य प्रो. एस. एम. चौधरी के निर्देशन में किया।

डीएस बुटीक की शुरुआत

उदयपुर। हाथीपोल झरिया मार्ग स्थित डी. एस. दीवान शाह बुटीक का शुभारम्भ पिछले दिनों हुआ। बुटीक के निदेशक मो. सिद्दीक(बबला भाई) ने बताया बुटीक में महिलाओं के फैशनेबल ड्रेसेस के साथ ही तवक्कल की स्पेशल ड्रेसेस उपलब्ध होगी।

आरएसएमएम को स्कॉच अवार्ड

उदयपुर। 67वें स्कॉच अवार्ड ऑनलाइन समिट में 28 अक्टूबर को राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स लिमिटेड को स्कॉच अवार्ड मिला। समिट में देशभर से 150 से ज्यादा श्रेष्ठ आईटी कार्यान्वयन के नॉमिनेशन के साथ 500 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आरएसएमएम के कार्यकारी निदेशक(प्रशासन) बालमुकुंद असावा ने बताया कि आरएसएमएम को आईटी में सर्वश्रेष्ठ क्रियान्वयन के लिए यह अवार्ड मिला है। संस्थान ने मार्केटिंग और सेल्स के लिए एप्लीकेशन से ग्राहकों को आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता दिखाई है। इस प्रणाली से इंटरनल मार्केटिंग और सेल्स को एकीकृत कर ई-रवन्ना सॉफ्टवेयर, डीएमजी, जीओ आर से सीधे एपीआई इंटरफेस किया। हाल ही में जीएसटी चालान और ई-वे बिल को भी कनेक्ट किया है।

21 कन्याओं को 5001 की एफडी

उदयपुर। उम्मेद सेवा संस्थान की ओर से नवरात्रि में सम्पन्न यशस्विनी यज्ञ एवं नवचंडी पाठ के दौरान कन्या पूजन कार्यक्रम में 21 कन्याओं को 5001 की एफडी भेंट की गई। संस्थान सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि पंडित राजकुमार जोशी के आचार्यत्व में तीन पंडितों द्वारा यशस्विनी यज्ञ एवं नवचंडी पाठ का आयोजन तितरड़ी स्थित कुशल बाग में किया गया। लगभग 251 जोड़ों ने आहुतियां दी। अध्यक्षता भभूत सिंह ने की। मुख्य अतिथि आलोक स्कूल निदेशक प्रदीप कुमावत, अर्चना ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ पालीवाल, गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के महंत तन्मयवन महाराज एवं विशिष्ट अतिथि मधु सरीन, शकुन्तला पोरवाल, मीना मांडोत, ओमप्रकाश तोषनीवाल थे।

विनय इलेक्ट्रिकल सोल्यूशंस शोरूम का शुभारम्भ

उदयपुर। विनय इलेक्ट्रिकल सोल्यूशंस ने ब्राइटिका इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट के सहयोग से उदयपुर में नया शोरूम आरंभ किया है। विनय इलेक्ट्रिकल सोल्यूशंस के निदेशक समीर गाला ने बताया कि हमारी योजना 2021 तक देशभर में और स्टोर शुरू करने की है। ताकि ईसीएम(इलेक्ट्रिकल एवं निर्माण सामग्री) उद्योग की बढ़ती मांग पूरी की जा सके।

इंदिरा आईवीएफ ग्रुप का उज्जैन में 93वां सेंटर शुरू

उदयपुर। इंदिरा आईवीएफग्रुप का उज्जैन में देश का 93वां सेंटर शुरू किया गया है। ग्रुप के सीईओ डॉ. क्षितिज मुर्डिया ने बताया कि कृष्णा प्लाजा, फ्रीगंज में कोरोना महामारी से बचने के पूर्ण सुरक्षा मापदंडों के साथ आईवीएफ केन्द्र की शुरूआत से दंपत्तियों को रियायती दरों में उच्चस्तरीय उपचार मिलेगा। यह ग्रुप का मध्यप्रदेश में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रतलाम, ग्वालियर के बाद छठा और देश में 93वां सेंटर है।

फिटनेस हब स्टूडियो की दूसरी शाखा शुरू

उदयपुर। फिटनेस हब स्टूडियो की दूसरी शाखा का उद्घाटन सहेली नगर में हुआ। जिम संचालक हर्ष सुहालका ने बताया कि मुख्य अतिथि अर्चना ग्रुप के डायरेक्टर सौरभ पालीवाल, विनोद साहू, डॉ. मधु सरीन, अर्जुन पालीवाल, दिव्यांश सोनी, डॉ. अर्पित चौधरी, गर्वित और लविश जोशी थे।

जे.के. सीमेन्ट में संस्थापक दिवस मनाया

निम्बाहेड़ा। जे.के. सीमेन्ट परिवार निम्बाहेड़ा एवं मांगरोल द्वारा जे. के. संस्थान के संस्थापक लाला कमलापत सिंहानिया का 136वां जन्म दिवस 7 नवम्बर को संस्थापक दिवस के रूप में उत्साह व गरिमा के साथ मनाया गया। प्रात: फैक्ट्री परिसर में जे.के. सीमेन्ट के मुख्य आतिथ्य यूनिट हैड एस. के. राठौड़, जयन्त मल्होत्रा, एस. के. खण्डेलवाल, मनीष तोषनीवाल, जीवन जैन, वी. के. माहेश्वरी, दिलीप सिंह कृष्णावत, सिक्युरिटी हेड हेमन्त ठाकुर, तुलसीदास सनाढ्य, शैलेष चौबीसा, अजय दशोरा, सत्यदेव पानेरी एव जे.के. सीमेन्ट श्रमिक संघ के अध्यक्ष नाहर सिंह देवड़ा, महामंत्री, भैरू सिंह चुण्डावत सहित अधिकारियों व श्रमिकजनों ने सिंहानिया जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

लायंस पत्रिका का विमोचन

उदयपुर। लायंस प्रांत 3233 ई 2 की मासिक पत्रिका का विमोचन पूर्व प्रांतपाल सी के गोयल ने किया। प्रांतपाल संजय भण्डारी, प्रांतीय केबिनेट सेक्रेटरी मुख्यालय जितेन्द्र सिसोदिया और इनफेर्मेशन टेक्नोलॉजी के सभापति अखिलेश जोशी उपस्थित थे।

बड़ोला हुंडई पर ऑल न्यू आई-20 लॉन्च

उदयपुर। हुंडई मोटर इंडिया ने उदयपुर में अपने अधिकृत डीलर बड़ोला हुंडई पर पिछले दिनों प्रतीक्षित कार द ऑल न्यू आई-20 लॉन्च की। मुख्य अतिथि सीएमएचओ दिनेश खराड़ी ने कार लांच की। नई कार ग्राहकों को केन्द्र में रखते हुए नई तकनीक से जोड़ते हुए तैयार किया है।

आउट ऑफटर्न नौकरियां, बड़ा फैसला

जयपुर। राजस्थान ओलंपिक संघ(आरओए) के अध्यक्ष जनार्दन सिंह गहलोत ने प्रदेश के 29 खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न आधार पर नौकरी देने के सरकार के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अब तक हरियाणा और पंजाब जैसे प्रदेशों में ऐसा होता रहा है लेकिन राजस्थान में यह पहली बार बड़ा फैसला है। राजस्थान में कई मुख्यमंत्री आए लेकिन इस तरह का अहम फैसला किसी ने नहीं लिया। मुख्यमंत्री गहलोत के इस फैसले से राजस्थान के खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

भट्ट ने संभाला कार्यभार

उदयपुर। उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार में सहकारी सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आशुतोष भट्ट ने गत अक्टूबर में महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला। इससे पूर्व वे सहकार भवन, उदयपुर में क्षेत्रीय अंकेक्षण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

रजवाड़ी चाय सेन्टर का शुभारम्भ

उदयपुर। मुंबई की मशहूर पाटीदार रजवाड़ी चाय का आनन्द उदयपुर के बाशिन्दे भी ले सकेंगे। पिछले दिनों बैंक तिराहा पर पाटीदार रजवाड़ी चाय की राजस्थान की तीसरी शाखा का शुभारम्भ कांग्रेस मीडिया सेन्टर के अध्यक्ष पंकज कुमार शर्मा ने किया। पाटीदार रजवाड़ी चाय के गौतम पाटीदार ने बताया कि 1997 से मुंबई में रजवाड़ी चाय का व्यवसाय कर रहे हैं। वहां इसे काफी प्रसिद्धि मिली। वर्तमान में महाराष्ट्र पाटीदार रजवाड़ी चाय की 16 शाखाएं हैं। प्रात: 5 बजे से रात 10 बजे तक शहरवासी विभिन्न जायकों में चाय का आनन्द ले सकेंगे। शुभारम्भ मौके पर डायालाल पाटीदार(अध्यक्ष, सागवाड़ा ब्लॉक कांग्रेस), अशोक पाटीदार, शंकर पाटीदार, केशव पाटीदार, रमेश, दुर्गेश, धर्मेश पाटीदार सहित शहर के अनेक गण्यमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कथक पुस्तक का विमोचन

उदयपुर। लेखिका और कथक गुरू चंद्रकला चौधरी की पुस्तक 'कथक' का विमोचन पण्डित बिरजू महाराज ने डिजिटल तौर पर करते हुए लेखिका के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शहर के कथक प्रेमी शामिल हुए। मुकेश माधवानी ने बताया कि पुस्तक में कथक की बारीकियां शामिल की गई है।

700 किसानों को बीज वितरण

बांगड़ सिटी रास। श्री फाउण्डेशन ट्रस्ट(श्री सीमेन्ट लिमिटेड) द्वारा पिछले दिनों कृषि विकास परियोजना के तहत बगतपुरा, पालयावास, बूटीवास, बाबरा, प्रतापगढ़, देवगढ़, मेसिया, पाटन आदि पंचायतों के गांवों के 700 किसानों को चारा-रिजका बीज का अनुदानित दर पर वितरण किया गया। वरिष्ठ महाप्रबंधक(स्टोर) पी. के. जैन, प्रबंधक(सीएसआर) विशाल जायसवाल, सहायक प्रबंधक(सीएसआर) रोहित शर्मा व जनप्रतिनिधि रामदेव महावर की मौजूदगी में वितरण की शुरूआत की गई। विशाल जायसवाल ने बताया कि वितरित बीज की बुवाई लगभग 330 बीघा में होगी, जिससे 45 से 55 लाख किलो हरा चारा उत्पादित होगा।

वर्ल्ड पोलियो डे पर मैराथन

उदयपुर। रोटरी क्लब मीरा ने वर्ल्ड पोलियो दिवस पर मैराथन का आयोजन किया। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलूण्डिया ने बताया कि फतहसागर की पाल पर मैराथन रन फॉर एंड पोलियो आयोजित हुई। मुख्य अतिथि पूर्व प्रान्तपाल निर्मल सिंघवी, रीजनल चेयरपर्सन राजकुमारी गांधी, क्लब ट्रेनर मधु सरीन के अलावा क्लब सदस्याएं मौजूद थीं।

डी.पी. ज्वैलर्स का 5 प्रमुख शहरों के बाद भीलवाड़ा में नया शोरूम

उदयपुर। रतलाम के डीपी ज्वैलर्स का पांच प्रमुख शहरों के बाद भीलवाड़ा में भी नए शोरूम का राजेन्द्र मार्ग मुख्य अतिथि समाजसेवी चन्दनमल चौरड़िया थे। डीपी ज्वैलर्स से रतनलाल कटारिया, मदनलाल कटारिया, विकास कटारिया, पुनीत पिरोदिया मौजूद थे। इससे पहले डीपी ज्वैलर्स के रतलाम, इंदौर, उदयपुर, भोपाल और उज्जैन में शोरूम हैं। डीपी ज्वैलर्स के प्रमोटर अनिल कटारिया ने कहा कि भीलवाड़ा में नए शोरूम के साथ ग्राहकों के लिए नई डिजाइन है। चांदी के मास्क ग्राहकों के आकर्षण का केन्द्र हैं। यहां आईएसओ मान्यता प्राप्त बीआईएस सर्टिफाइड और आईजीआई जैसे विश्वसनीय सर्टिफिक्रेशन प्राप्त आभूषण खरीदे जा सकते हैं। डीपी आभूषण लिमिटेड ने 2019 में प्रतिष्ठित बेस्ट ब्राइडल ज्वैलरी डिजाइन अवॉर्ड भी जीता है।

कोरोना योद्धाओं का सम्मान

उदयपुर। कृष्णा कल्याण संस्थान की ओर से कोविड-19 के लॉकडाउन में नि:स्वार्थ भाव से सेवां देने वाले कोरोना योद्धाओं और दानदाताओं का पिछले दिनों होटल मुकुन्द में आयोजित समारोह में सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महंत रामचंद्र दास खाकी व अतिविशिष्ट अतिथि समाजसेवी तनवीर सिंह थाणा, विशिष्ट अतिथि संगीता कोठारिया, भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री अलका मूंदड़ा, वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओनार सिंह सिसोदिया व संस्था संरक्षक कमलेन्द्र सिंह पंवार थे। अध्यक्षता तेजसिंह बान्सी ने की। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम के गर्ग ने बताया कि अतिथियों ने 51 कोरोना योद्धा तथा 11 दानदाता को उपरणा, सम्मान पत्र व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह थाणा ने स्वागत किया। संस्थापिका माया बहन ने संस्था की कार्यकारिणी की गतिविधियों और आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी। इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह रलावता, प्यारेबक्ष, हितेष कुमावत, भरत कुमावत, उमेश शर्मा, डॉ. तृप्ति जोशी, सारिका सहित समाज के गण्यमान्य व मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

सतर्कता सप्ताह में ईमानदारी की ली शपथ

उदयपुर। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक ऑफबड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के स्टाफऔर सदस्यों ने सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी की शपथ ली। क्षेत्रीय प्रमुख अनिल कुमार माहेश्वरी ने सभी से ईमानदार जीवन शैली को आत्मसात करने का आह्वान किया और ईमानदारी को जीवन शैली में अपनाने का संदेश दिया। बैंक की उदयपुर शहर की सभी शाखाओं में भी ग्राहकों एवं स्टाफसदस्यों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली।

कोरोना जागरूकता पर सूक्ष्म पुस्तक

उदयपुर। चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने कोरोना के प्रति जागरूकता प्रसार के लिए 1 इंच मोटी एक पुस्तिका तैयार की, जिसमें 35 पृष्ठ है। सूक्ष्म पुस्तिका में स्वच्छता, सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जानकारी दी गई है। सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी ने इसका विमोचन किया।

सरस डेयरी हुई ग्रीन फ्यूल

उदयपुर। सरस डेयरी अब पूर्णत: एलपीजी से संचालित होगी। इसका उद्घाटन मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक जोधपुर के निकुंज शुक्ला ने किया। उदयपुर के क्षेत्रीय विक्रय अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि डेयरी चेयरमैन डॉ. गीता पटेल ने डेयरी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प का हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के डीलर सृजन एच.पी. गैस डिस्ट्रीब्यूटर के सहयोग से एल.पी.जी. एच.पी. गैस प्लान्ट लगाया। जिसकी क्षमता 3.8 मैट्रिक टन है। डेयरी में लगे 5 टन वायलर को पूर्णत: एल.पी.जी. पर संचालित करने के लिए सुलभ है। कार्यक्रम में उदयपुर डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर उमेश गर्ग एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारी मौजूद थे।

यूएस पोलो की नई रेंज लांच

उदयपुर। सुनील गारमेन्ट्स उत्तरी सुन्दरवास पर यू. एस. पोलो मेन्स वियर की नई रेंज बिक्री के लिए जारी की गई। अनिल डांगी ने बताया कि इसके तहत कम्पनी ने शर्ट, ट्राउज, जीन्स और टी-शर्ट पर इनोग्रेज ऑफर दिया है।

भटनागर परिवार निर्देशिका का विमोचन

उदयपुर। भटनागर सभा उदयपुर द्वारा प्रकाशित भटनागर परिवार निर्देशिका का विमोचन मुख्य अतिथि अजित कुमार पंचोली, समारोह अध्यक्ष मनोज भटनागर ने किया। सभा अध्यक्ष मनोज जालोरी ने बताया कि 304 पेज की पुस्तक में भटनागर समाज के सभी परिवार के प्रत्येक सदस्य के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मय फोन नंबर प्रकाशित की है।

मेडीसेंटर की भीलवाड़ा शाखा शुरू

उदयपुर। लैब मेडिसेंटर ने अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए पिछले दिनों भीलवाड़ा में शाखा का शुभारंभ किया। यह लैब मेडिसेंटर की सातवीं शाखा है। उत्कृष्ट डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध होगी। मरीज फोन पर ही टेस्ट की जानकारी, स्वास्थ्य डाटा का मैनेजमेन्ट, हेल्थ रिकॉर्ड मैनेजमेंट व जांच बुकिंग करवा सकेंगे। इसके साथ ही ब्लड व विभिन्न सैंपल का रिपोर्ट घर बैठे ही मेल पर भी ले सकेंगे।

बड़ाला डेंटल केयर क्लिनिक का उद्घाटन

उदयपुर। शोभागपुरा में बड़ाला डेंटल केयर क्लिनिक का उद्घाटन बड़ाला ग्रुप के संस्थापक हिम्मत बड़ाला ने किया। क्लिनिक की निदेशक डॉ. नेहा बड़ाला ने बताया कि इस डेंटल कयर पर दांतों से जुड़ी सभी समस्याओं का उपचार होगा। क्लिनिक आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जहां लोगों को नि:शुल्क जांच और परामर्श की भी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर बड़ाला क्लासेज के संस्थापक चतर बड़ाला, निदेशक सीए राहुल बड़ाला, सीएमए सौरभ बड़ाला एवं विजेन्द्र कोठारी आदि उपस्थित थे।

शोक समाचार

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल का 16 नवम्बर को निधन हो गया। बहत्तर वर्षीय मेघवाल गुरूग्राम के एक अस्पताल में लम्बे समय से भर्ती थे। चुरू जिले के सुजानगढ़ के विधायक मास्टर भंवरलाल मेघवाल की छवि एक कुशल प्रशासक की मानी जाती थी। वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पिछली सरकार में शिक्षा मंत्री थे। पिछले दिनों ही मास्टर भंवरलाल मेघवाल की बेटी बनारसी मेघवाल का निधन हो गया था। उनके निधन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, डॉ. गिरिजा व्यास, डॉ. सी. पी. जोशी, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, गोविन्द सिंह डोटासरा व प्रताप सिंह खाचरियावास ने गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि दु:ख की इस घड़ी में वे मास्टर मेघवाल के परिजनों के साथ हैं।

जयपुर। राजस्थान विद्यापीठ जनार्दनराय नागर विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति श्री कृष्ण कुमार जी वशिष्ट का यहां 24 अक्टूबर को निधन हो गया। विद्यापीठ के विकास में उनका बड़ा योगदान था। वे संस्थापक जनुभाई के निकटवर्ती सहयोगी थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती मालती, पुत्र दीपक, पुत्रियां रूचिका व चितिका तथा सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, विधायक गजेन्द्र सिंह शक्तावत, पूर्व कुलप्रमुख प्रफुल्ल नागर, विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवर गुर्जर, पंकज शर्मा, विष्णु शर्मा हितैषी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

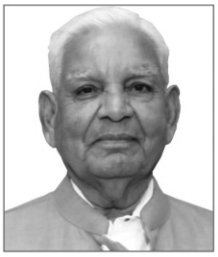

उदयपुर। श्री मनोहरसिंह जी नाहर(नाहर एक्सपोर्ट्स-भीलवाड़ा) बान्सी वाले का 2 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती झंकार देवी, पुत्र अनिल व सुनील नाहर, पुत्रियां चन्द्रप्रभा जैन, कुसुम भंसाली व पिंकी माण्डावत तथा उनका समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कैलाश कोठारी धर्मपत्नी स्व. दिनेश जी कोठारी का 8 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे 68 वर्ष की थीं। वे अपने पीछे पुत्र कृतिक, पुत्रियां डॉ. शिल्पा तलेसरा, डॉ. प्रणोती पूनमिया, निधि इंटोदिया व लवीना सुराणा तथा भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। युवा उद्यमी व समाजसेवी श्री मुकेश जी नलवाया का 5 नवम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। वे 50 वर्ष के थे। अपने पीछे वेदना में आकंठ डूबी माता श्रीमती माया देवी, धर्मपत्नी श्रीमती वनीता देवी, पुत्र जयन्त, कुणाल व पुत्री गजल सहित भाई-भतीजों का सम्पन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती नारायणी देवी धायभाई धर्मपत्नी श्री हरिसिंह जी धायभाई(पिछोली) का 4 नवम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र राधाकृष्ण व शिवराज सिंह सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। नगर निगम उदयपुर में अधीक्षण अभियन्ता मुकेश पुजारी के पिताश्री नवनीतलाल जी पुजारी का 9 नवम्बर को उनके पैतृक गांव वल्लभनगर में निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा देवी, पुत्र मुकेश व दिलीप पुजारी, पुत्री ललिता भोजक सहित समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर वल्लभनगर विधायक गजेन्द्र सिंह शक्तावत, मेयर जीएस टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, सुनीता शर्मा, म्युनिसिपल कर्मचारी संघ सहित वल्लभनगर के अनेक सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। सेवानिवृत्त लेखाधिकारी श्री नारायणलाल जी मूंदड़ा का 13 नवम्बर को देहावसान हो गया है। वे अपने पीछे शोकाग्रस्त धर्मपत्नी श्रीमती भंवरदेवी, पुत्र राजेन्द्र मूंदड़ा, पुत्रियां आशा न्याती व स्व. मंजू राठी का भरापूरा परिवार छोड़ गए है।

Rajdhani

RAJDHANI
ENGINEERING SOLUTIONS

Authorised Distributor of
Gates Hoses & Assembly, Pix & Fenner V-Belts, Safety & Gum Boots

Gates | PIX Power Transmission Solutions Driving growth! Pix Transmission Limited | Fenner | INDO-MAKSSON

Authorised Assembler

We supply Hydraulic Hose Assembly by part no. for TATA, Volvo, Kosatsu, Atlas Copco, BEML, L&T, JCB, Kobeico, Poclain, Caterpillar, TATA Hitachi

All major kits available for Earthmoving Machinery available by part no.

Radhey Shyam Sikhwal
Mo. 94142 35249, 76650-49666
N.H. 8, Main Road, Bhuwana, Udaipur - 313 004 (Raj)
Ph.: 0294-2440538 (O), 2441209 (O&R)
Email: rajdhaniudaipur@gmail.com

Sister Concern: Gourav Engineering Solutions, Madras Traders

Nidhi Kamal Co. Pvt. Ltd.

E-78, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur 313 003
mob.: 8094111189, E-mail : gm@nidhikamalfac.com CIN : U50101RJ1983PTC002744
Head Office : Nidhi Kamal Tower, 37-38, B, Barwara House, Ajmer Road, Jaipur-302006, Rajasthan

(IS/ISO 22000:2005 प्रमाणित संगठन)
सरस
आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
माननीय अशोक गहलोत जी
मुख्यमंत्री, राजस्थान
मान. लाल चन्द कटारिया
कृषि मंत्री
मान. रघु शर्मा
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री
मान. प्रमोद जैन भाया
खनिज एवं गोपालन मंत्री
मान. उदयलाल आंजना
सहकारिता मंत्री
प्रदेश के पशुपालकों के दूध एवं दूध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध शुरु किए 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान का अन्तर्मन से स्वागत एवं आभार
अजमेर सरस डेयरी
के 13 देशों से आयातित आधुनिक तकनीक के समावेश से निर्मित संयंत्र द्वारा उत्पादित विश्व स्तर के दूध व दुग्ध उत्पाद
उमेशचन्द्र व्यास
प्रबंध संचालक
रामचन्द्र चौधरी
अध्यक्ष
अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
पैक्ड पॉश्च्युराईज्ड सरस दूध की किस्में
डबल टोण्ड
टोण्ड
स्टेण्डराईज्ड
गोल्ड
चाय साथी
200 मि.ली., 1/2 लीटर, 1 लीटर एवं 6 लीटर पैकिंग में उपलब्ध
अजमेर डेयरी के फरमेन्टेड (जावण) दुग्ध उत्पाद
सादा छाछ 500 मि.ली.
नमकीन छाछ 200 मि.ली.
लस्सी 200 मि.ली.
दही (कप) 200 ग्राम
दही (पाउच) 500 ग्राम
श्री खण्ड 100 ग्राम / 500 ग्राम
पैकिंग में उपलब्ध
अजमेर डेयरी की सरस आईसक्रीम
बटर स्कोच, केसर पिस्ता काजू द्राक्ष, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स
कोन आईस्क्रीम बटर स्कोच, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स
कैंडी चॉकलेट मैंगो, ऑरेंज रोज
आईसक्रीम ब्रिक फैमिली पैक वनीला, केसर पिस्ता, स्ट्रॉबेरी, बटर स्कोच फ्लेवर्स
अजमेर डेयरी के दुग्ध पाउडर
1. स्कीम्ड मिल्क पाउडर – 3 ग्राम, 5 ग्राम, 8 ग्राम, 500 ग्राम, 25 कि.ग्रा. पैकिंग
2. डेयरी व्हाईटनर – 400 ग्राम, 1 कि.ग्रा., 25 कि.ग्रा. पैकिंग
3. हॉल मिल्क पाउडर – 25 कि.ग्रा. पैकिंग
4. बेबी फुड पाउडर – 500 ग्राम, 1 कि.ग्रा. टिन पैकिंग
अजमेर डेयरी के कॉग्युलेटेड एवं खोया उत्पाद
पनीर 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.
फीका मावा 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.
बर्फी 250 ग्राम एवं 500 ग्राम
पेड़ा 250 ग्राम एवं 500 ग्राम पैकिंग में उपलब्ध
अजमेर डेयरी के दीर्घावधि उत्पाद
बटर – 100 ग्राम, 500 ग्राम
व्हाइट बटर – 10 कि.ग्रा., 15 कि.ग्रा., 20 कि.ग्रा. के स्लेब्स में उपलब्ध
बटर चीपलेट्स – 10 ग्राम पैकिंग में
सरस घी
1/2 लीटर, 1लीटर पॉलीपैक, 5 लीटर टिन, 15 कि.ग्रा. टिन पैकिंग
अजमेर डेयरी के फ्लेवर्ड मिल्क
इलाइची
मैंगो
स्ट्रॉबेरी
कॉफी
रोज
हल्दी
200 एम.एल. पी.पी. बॉटल में उपलब्ध
सेहत और स्वाद ... सरस के साथ...
पूछताछ आमंत्रित है
सरस, दूध एवं दूध उत्पादों हेतु मोबाईल (चलायमान) बिक्री केन्द्रों हेतु (ई–रिक्शा, ट्रॉय साइकिल आदि) जिसमें प्रशीतन की सुविधा हो।
सरस उत्पाद की बिक्री हेतु जिला/अंन्तरजिला/प्रादेशिक डीलरशिप हेतु संपर्क करें
9928145698,9928191944
सम्पर्क : विपणन विभाग, अजमेर डेयरी, अजमेर फोन : 0145-2440013/2440027

राजस्थान का नंबर 1 अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट

Vaaidehi Group

वैदेही प्रीमियम हाउसिंग

2BHK FLATS

UIT UDAIPUR DEVELOPING WITH NATURE

APPROVED

'आपके सपनों का घर शहर के अन्दर'

जी. एस. टी. एवं स्टाम्प ड्यूटी - फ्री

RAJASTHAN REAL STATE REGULATORY AUTHORITY RAJ-RERA

RERA NO.: RAJ/P/2019/1005

सेम्पल फ्लेट

स्मार्ट सिटी का स्मार्ट हाउसिंग प्रोजेक्ट

सब्सिडी -2,67,000/- तक छुट

मुख्य विशेषताएं

- राजस्थान का पहला हाउसिंग प्रोजेक्ट जिसकी पार्किंग एरिया की उचाई 15 फिट
- सभी फ्लेट वास्तु के अनुरूप
- 3 स्ट्रेचर लिफ्ट + 4 पैसेंजर लिफ्ट = 7 लिफ्ट
- 15 कमर्शियल दुकान + क्लब हाउस
- गार्डन (inside) 6000 sq.ft
- गार्डन (outside) 20000 & 15000 sq.ft
- प्रोजेक्ट के पास में पांच बडे हॉस्पिटल, 2 बडे शॉपिंग मोल।
- चार बडे स्कूल एवं पुलिस स्टेशन (1.5 की.मी पर)
- लोकेशन सिटी से 6 किमी.

साईट पता- न्यू नवरत्न कॉम्प्लेक्स, भुवाना बाईपास के पास, उदयपुर

MO.- 9983305577, 9983305588, 6378525086